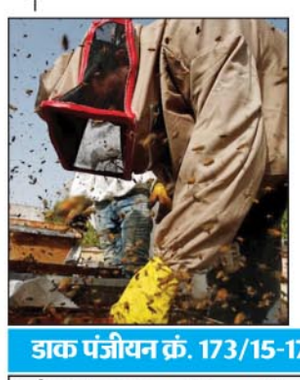

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला | सम्पादकीय भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान शिक्षा | बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा : अनिल अंबानी 5

वर्ष 12 अंक 312 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

डिजिटल कंटेंट पर भी ऑथेंटिसिटी लेबल होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके : पीएम मोदी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया।

पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है।

समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन एआई

के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया।

16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई में भय नहीं 'भाग्य' और भविष्यः पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने 'भाग्य' और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

दी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई मोरल (नैतिक), अकांउटेबिल (जवाबदेह), नेशनल सोवरगिंटी (संप्रभुता), एक्सेसबिल (सुलभ) और वेलिड (वैध) होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।कंटेंट पर 'ऑथेंटिसिटी लेबल' की जरूरतः पीएम ने सुझाव दिया कि जैसे खाने के सामान पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी स्पष्ट लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या एआई द्वारा बनाया गया (फैब्रिकेटेड) है।

4.,ढ्ढ को 'ओपन सोर्स' बनाएंः भारत ने दुनिया की 'कॉन्फिडेंशियल' सोच से अलग हटकर,ढ्ढ कोड को 'ओपन शेयर' करने की बात कही। पीएम का मानना है कि जब तकनीक सबके लिए खुली होगी, तभी दुनिया भर के युवा दिमाग उसे बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे।

अगर सरकार लोगों को फ्री खाना देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर

सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं। आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं? अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा? हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

म.प्र. और इन्वेस्टर्स मिलकर देश को बढ़ाएंगे आगे

24 घंटे बिजली देने में मध्यप्रदेश सबसे आगे

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विकास के लिए सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के साथ हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई क्लाइमेट वीक-2026 में की सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मप्र शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरित ऊर्जा उत्पादन के जरिए क्लाइमेट चेंज से निपटने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने ईवी नीति बनाई, जो क्लाइमेट चेंज की ओर कारगर कदम है।

पंजाब सीएम ऑफिस-चंडीगढ़ कोर्ट उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। चंडीगढ़ स्थित पंजाब सचिवालय और चंडीगढ़ कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया और पूरे इलाके को खाली करा लिया गया। एहतियातन हरियाणा सचिवालय को भी अलर्ट पर रखा गया है।जानकारी के मुताबिक, धमकी भरा ईमेल संबंधित विभाग को मिला था, जिसमें सीएम ऑफिस में विस्फोट करने की बात कही गई है। इस ईमेल का स्क्रीनशॉट वायरल हुआ। हालांकि, इसकी पुलिस या प्रशासन के किसी अधिकारी ने पुष्टि नहीं की है। दैनिक भास्कर भी इस ईमेल की पुष्टि नहीं करता। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और लोगों को सचिवालय से सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया। पुलिस बल, छ्त्रक्क, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड की टीमें मौके पर पहुंचीं और पूरे इलाके की बारीकी से तलाशी ली। जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

आप भगवान से प्रेम करो ये आस्था, भगवान आपसे प्रेम करें ये भक्तिः पं धीरेंद्र शास्त्री

नवग्रह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के नौवें दिन दिव्य दरबार में रोते हुए आए पीड़ित, हंसते हुए गए

आज प्राण प्रतिष्ठा के साथ होगा महोत्सव का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

डबरा, ग्वालियर। नवग्रह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का नवां दिन गुरूवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमानजी का दिव्य दरबार लगाया, जिसमें पीड़ित रोते हुए आए और हनुमानजी की कृपा से हंसते हुए गए। इस दौरान प्रेतबाधा से पीड़ित लोगों को बजरंगबली के बल से बाधामुक्त किया गया। हनुमंत कथा के विश्राम दिवस पर पं धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आप भगवान से प्रेम करो ये आस्था है,लेकिन भगवान आपसे प्रेम करे, ये भक्ति है। जो सच्चे मन से भगवान को भजता है, उसे ये दुर्लभ भक्ति प्राप्त हो जाती है। विश्राम दिवस की कथा में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक संजय पाठक प्रमुख रूप से शामिल हुए।

उन्होंने हजारों लोगों से भरे कथा पांडाल में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल जो कुछ नहीं कर पाता, वो बाबा बन जाता है। भगवा धारण कर और रुद्राक्ष पहनकर बाबा बनना तो सरल है,लेकिन ईश्वर के भजन में खुद को तल्लीन कर बाबा हो जाना कठिन हैं। हनुमानजी से प्रेम करना सरल है,लेकिन हनुमानजी जी आपसे प्रेम करे ये कठिन हैं,ये तभी होता है जब बजरंगबली की कृपा पर किसी प्रकार का संशय नहीं होता। जिस प्रकार बजरंगबली ने श्रीराम की भक्ति बिना किसी संशय के की, वैसे ही आप बजंरगबली से बिना किसी संशय के प्रेम करेंगे तो उनकी भक्ति के बल से आप श्रीराम तक जरूर पहुंच जाएंगे।

गति और मति ठीक रखो, तो जरूर होगी प्रगति

बागेश्वर महाराज ने कहा कि संसार के जजों को न्यायाधीश कहते हैं। बागेश्वर हनुमानजी को भी जज कहते हैं। संसार के न्यायधीश भूल कर सकते हैं,लेकिन द्वारिकाधीश कभी भूल नहीं करते हैं।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने किया अभूतपूर्व कार्य

उन्होंने कहा कि अफसरों को कलम फंसने का डर सताता है और नेताओं को **शेष पृष्ठ 4 पर...**

सत्संग समाधान का साधन है; यह केवल वाणी का श्रवण नहीं, अपितु आत्मा का परिष्कार हैः स्वामी श्री अवधेशानंद जी

'श्रीगुरुकार्ष्णि गोपाल जयन्ती महोत्सव' के अंतर्गत द्वितीय दिवस का 'सन्त सम्मेलन' अलौकिक व आध्यात्मिक गरिमा के साथ सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

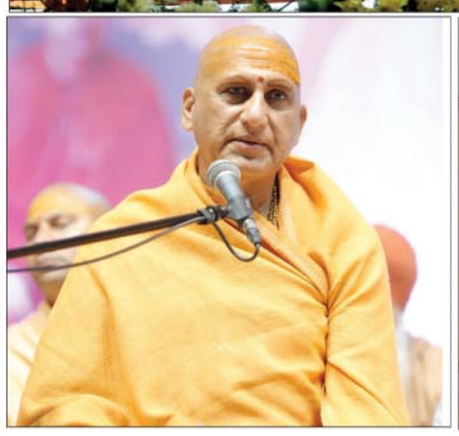

मथुरा। आज पावन ब्रजभूमि महावन, गोकुल स्थित श्री उदासीन कार्ष्णि आश्रम, रमणरेती में परम पूज्य अनन्तश्रीविभूषित कार्ष्णिपीठाधीश्वर श्री स्वामी गुरुशरणानन्द जी महाराज के दिव्य सान्निध्य में आयोजित 95वें 'श्रीगुरुकार्ष्णि गोपाल जयन्ती महोत्सव' के अंतर्गत द्वितीय दिवस का 'सन्त सम्मेलन' अलौकिक व आध्यात्मिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

इस संत-समागम में श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने अपने अमृतमय उद्बोधन में सत्संग की अनिवार्यता एवं गुरु-सन्निधि की महिमा का अत्यंत सारगर्भित विवेचन किया। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि 'सत्संग समाधान का साधन है; यह केवल वाणी का श्रवण नहीं, अपितु आत्मा का परिष्कार है।' सत्संग वह पावन साधना-भूमि है, जहाँ अंतःकरण के विकार क्षीण होते हैं, संशयों का क्षालन होता है और चित्त शुद्धि की दिशा में अग्रसर होता है। गुरु, अज्ञान और अविद्या के तम को हरकर ज्ञानदीप प्रज्वलित करते

हैं। जब साधक साधन-चतुष्टय की ओर अग्रसर होता है, तब गुरु-वाक्य उसके हृदय में सहज ही प्रतिष्ठित हो जाते हैं। गुरु की सन्निधि से ही विवेक जागृत होता है, जो नश्वर और शाश्वत के भेद को स्पष्ट कर जीवन-पथ को आलोकित करता है। भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की त्रिवेणी से अनुप्राणित इस दिव्य सन्त-सम्मेलन में पूज्य दक्षिणामूर्तिपीठाधीश्वर स्वामी श्री पुण्यानन्द गिरि जी महाराज, पूज्य गीतामनीषि महामण्डलेश्वर स्वामी श्री ज्ञानानन्द जी महाराज, श्रीरामजन्मभूमि न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी श्री गोविन्ददेव गिरि जी महाराज, श्रद्धेय रमेश भाई ओझा 'भाईश्री ', पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री हृदयानन्द जी महाराज, पूज्य स्वामी श्री महेशानन्द जी महाराज, कार्ष्णि स्वामी श्री जगदानन्द जी महाराज तथा पूज्य श्री धर्मेन्द्र दास जी महाराज सहित अनेक सन्त-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया।

ब्रज की इस पावन वसुंधरा पर सन्तों की वाणी, भक्ति की भावधारा और ज्ञान की दिव्य ज्योति का जो समन्वित प्रकाश प्रस्फुटित वह साधकों के लिए चिरस्मरणीय प्रेरणा बन गया। यह सन्त सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, अपितु सनातन संस्कृति के जीवन्त प्रवाह का दिव्य उत्सव सिद्ध हुआ।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा की राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

कमलकिशोर जायसवाल बने प्रदेशाध्यक्ष

श्री विष्णु मोहन जायसवाल
(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

श्री कमल किशोर जायसवाल
(प्रदेश अध्यक्ष)

श्री सत्यनारायण मेवाडा
(प्रदेश महासचिव कार्यालय)

श्री हरीश चन्द्र कलाला
(प्रदेश महासचिव संगठन)

श्री सुरेन्द्र मेवाडा
(प्रदेश महासचिव प्रचार)

श्री कृष्ण कुमार जायसवाल
(प्रदेश कोषाध्यक्ष)

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक शिवचरन हांडा जयपुर राजस्थान की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारयण चौकसे एवं राष्ट्रीय महासचिव एम.एल. राय द्वारा राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कमल किशोर जायसवाल जयपुर, प्रदेश महासचिव कार्यालय सत्यनारायण मेवाड़ा अजमेर, प्रदेश महासचिव संगठन हरीश चन्द्र कलाल बांसवाड़ा, प्रदेश महासचिव प्रचार सुरेन्द्र मेवाड़ा जौधपुर, प्रदेश कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल जयपुर का मनोनयन किया गया है तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर विष्णु मोहन जायसवाल राजस्थान का मनोनयन कर सभी पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारिया सौंपी गई है। महासभा द्वारा अभी तक मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरला में प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जा चुका है। शेष प्रदेशों की कार्यकारिणी हेतु पाँच-पाँच नाम आमंत्रित किये जाते हैं, अन्य कार्यकारिणी का मनोनयन प्रदेश के अध्यक्ष एवं महासचिव द्वारा किया जाता है। इसके अंतर्गत प्रदेश के संरक्षक, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव आदि महिला अध्यक्ष, युवा अध्यक्ष आदि का मनोनयन किया जाता है। महिला इकाई का अध्यक्ष श्रीमती कंचन हाडा को पूर्व में मनोनीत किया गया है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने किया कार्यशाला का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नईदिल्ली। दिनांक 18 फरवरी को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में डिवाइन इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, फार्मेसी संस्थान में 'दी इम्प्लीमेंटेशन ऑफ आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (AEBAS) फॉर फार्मेसी इंस्टीट्यूशन्स' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुधीर भारद्वाज ने कार्यशाला में पधारे सभी विशिष्ट अतिथियों एवं विभिन्न संस्थानों से आए प्राचार्यों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं संस्थागत अनुशासन को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जसु भाई चौधरी, उपाध्यक्ष, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने अपने संबोधन में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने AEBAS प्रणाली की आवश्यकता एवं उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली संस्थानों में पारदर्शी उपस्थिति प्रबंधन सुनिश्चित करेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय जैन, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद ने अपने उद्बोधन में बताया कि परिषद द्वारा प्रत्येक फार्मासिस्ट के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं ऑनलाइन बना दिया गया है। अब प्रत्येक फार्मासिस्ट सहज रूप से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश के फार्मासिस्टों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिनमें आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की योजना प्रमुख है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. नीरज उपमन्यु,सदस्य, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, प्रोवाइस चांसलर, सेजे विश्वविद्यालय, भोपाल ने पीसीआई पोर्टल एवं AEBAS प्रणाली के तकनीकी क्रियान्वयन में हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि रतनलाल गर्ग, सदस्य, मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद, भोपाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डिवाइन संस्थान को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से पधारे आईटी विशेषज्ञ आशुतोष ने AEBAS प्रणाली की तकनीकी संरचना, कार्यप्रणाली एवं उसके क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम की प्रक्रिया, पोर्टल इंटीग्रेशन एवं संस्थानों में इसके प्रभावी उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया तथा उपस्थित प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में डॉ. विवेक भदौरिया, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. प्रताप सिंह जादौन, डॉ. राजेश सिंह जादौन विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन डॉ. प्रियंवदा शर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला में उपस्थित सभी प्राचार्यों एवं प्रतिभागियों ने AEBAS प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देशों को गंभीरता से समझा और इसे सफलतापूर्वक लागू करने का संकल्प लिया। अंत में सभी अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा संस्थान परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया गया। इसी के साथ कार्यशाला का समापन गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

आध्यात्मिक समृद्धि का मार्ग है संत समागम, खोलता है मोक्ष का द्वार

-शिवपुरी पधारे राष्ट्र संत सौरभ मुनि और युवा प्रेरक विज्ञान मुनि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

शिवपुरी। सूरत गुजरात से चातुर्मास संपन्न कर शिवपुरी पधारे श्रमण संघ गौरव राष्ट्रसंत श्री सौरभ मुनि जी और युवा प्रेरक श्री विज्ञान मुनि जी ने आज पोषद भवन में एक धर्मसभा को संबोधित करते हुए बताया कि जीवन में पुण्यों से संत समागम का लाभ मिलता है जिससे जीवन में आध्यात्मिक समृद्धि आती है और मोक्ष का द्वार खुलता है। जैन संत सौरभ मुनि जी ने जैन आगम नंदी सूत्र के भावों की अत्यंत ही सुन्दर और सारगर्भित व्याख्या करते हुए जीवन में ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। पोषद भवन ओसवाल गली में प्रवचन प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से 10:30 बजे तक चल रहे हैं।

संत सौरभ मुनि जी ने बताया कि जैन नंदी सूत्र जैन धर्म का एक अत्यंत प्राचीन ग्रंथ है। जिसे पढ़ना शुभ माना जाता है और इससे हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है। ज्ञान से हमें बोध होता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर के अनुसार ज्ञान के पांच प्रकार होते हैं जिन्हें मति, श्रुति, अवधि, मन पार्याय और केवल्य ज्ञान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह ज्ञान हमें शास्त्रों और संतों के संत्संग से प्राप्त होता है। जिससे मन को शांति मिलती है और जीवन को सही मार्ग दर्शन और अहंकार का नाश होता है। संत समागम उस ज्ञान में व्यवहार में उतारने के लिए व्यवहारिक और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ज्ञान साधक के मन को शुद्ध करता है और अज्ञान पर विजय प्राप्त कर मोक्ष के मार्ग को प्रशस्त करता है। उन्होंने व्याख्या करते हुए कहा कि हमारा शरीर जड़ है जबकि आत्मा चेतन्य है। जीवन में आध्यत्मिक मार्ग पर चलने हेतु शरीर और मन पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है।

मुंबई में चमका बहराइच का सितारा: शौर्य गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाया प्रथम स्थान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुंबई/बहराइच। प्रतिभा जब परिश्रम से संवरती है तो उपलब्धियाँ इतिहास बन जाती हैं। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद के मेधावी युवा शौर्य गुप्ता ने इसी सत्य को साकार करते हुए मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन 'Advances in Polymers & Coatings Rangotsav 2026' में Industry Defined Problem Competition में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल अपने संस्थान बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर दिया। इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (ICT), मुंबई के पॉलिमर एवं सरफेस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 17 व 18 फरवरी 2026 को आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, लेकिन शौर्य की प्रतिभा, शोध दृष्टिकोण और तकनीकी दक्षता ने उन्हें विजेता के रूप में स्थापित कर दिया। सम्मेलन में प्रतिभागियों को उद्योग से जुड़े वास्तविक समस्यात्मक विषय दिए गए थे, जिन पर उन्हें वैज्ञानिक विश्लेषण, नवाचारपूर्ण सोच और व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करना था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रतियोगिता केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि शोध-दृष्टि, विश्लेषण क्षमता, प्रस्तुतीकरण कौशल और औद्योगिक समझ की भी कठोर परीक्षा होती है। ऐसे चुनौतीपूर्ण मंच पर प्रथम स्थान प्राप्त करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. डॉ. ए. एस. सबनिस और सह-संयोजक प्रो. डॉ. आर. एन. जगताप ने शौर्य गुप्ता को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया तथा उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि युवा वैज्ञानिकों में इस तरह की क्षमता भारत के शोध-भविष्य को नई दिशा देगी। सम्मेलन में उपस्थित विशेषज्ञों ने भी उनके समाधान को व्यावहारिक, अभिनव और उद्योग के लिए उपयोगी बताते हुए सराहा।

शौर्य गुप्ता मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद के निवासी हैं। उनकी माता पेशे से शिक्षिका हैं और पिता व्यवसाय से जुड़े हैं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का वातावरण शुरू से ही उन्हें प्रेरित करता रहा, जिसका परिणाम आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहा है। परिजनों ने बताया कि शौर्य बचपन से ही विज्ञान और प्रयोगों के प्रति उत्सुक रहे हैं और पढ़ाई के साथ शोध गतिविधियों में भी हमेशा आगे रहे। उनकी इस उपलब्धि की सूचना जैसे ही बहराइच पहुंची, जिले में खुशी और गर्व का माहौल बन गया। शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे शहरों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल करना अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में इस तरह की उपलब्धियां देश की बौद्धिक क्षमता का प्रमाण हैं। शौर्य की सफलता यह संदेश देती है कि समर्पण, मेहनत और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो सीमित संसाधन भी प्रतिभा की उड़ान को रोक नहीं सकते।

जिले के शिक्षकों और बुद्धिजीवियों ने आशा जताई कि शौर्य गुप्ता भविष्य में शोध और नवाचार के क्षेत्र में और बड़ी उपलब्धियां हासिल कर देश का नाम रोशन करेंगे। वहीं युवाओं के बीच वे प्रेरणा-पुरुष के रूप में उभर रहे हैं, जिनकी सफलता यह बताती है कि सपने बड़े हों और इरादे मजबूत, तो मंजिल खुद कदम चूमती है।

एकता प्रशिक्षण केन्द्र का हुआ शुभारंभ

युवाओं को मिलेगा कौशल विकास का मौका

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

खुरई। एकता परिषद के सहयोग से हुनर मंद युवाओं के माध्यम से बेरोजगार युवाओं, महिलाओं को रोजगार सृजन करने,कि दृष्टि से प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन मुंबई से आये समाजसेवी यतीश मेहता जी,वा एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अनीस भाई द्वारा किया गया

इस अवसर प्रशिक्षक देवेन्द्र कुमार जी द्वारा बेरोजगार युवाओं को ए.सी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, फिल्टर वाटर आदि रिपेयरिंग करने का प्रशिक्षित कर युवाओं को हुनरमंद बनाया जाएगा, वहीं धागों और मोती के माध्यम से घरों की सौ सज्जा करने के तोरण, गुलदस्ता आदि आयटम बनाने का कार्य प्रशिक्षक काजल द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है,वही शिक्षित महिला जानकि बाई, वा युवा साथी दिनेश गोतम द्वारा पांचवीं कक्षा तक बच्चों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इस प्रकार साल दर साल कौशल विकास व शिक्षा के कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अवसर पर आज़ाद बहुदेशीय डॉ. भीमराव विकास समिति के अध्यक्ष खिलान भाई, एकता परिषद के सम्भागीय समन्वयक दीपक भाई के परस्पर सहयोग से यह प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहा है। इस अवसर समाजसेवी गोपाल भाई, रजनी बहिन आदि संस्था पदाधिकारी समाजसेवी, ग्रामीण, महिला पुरुष उपस्थित रहे।

एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर में उन्नत बहु-मापदंड निर्णय-निर्धारण पर पाँच दिवसीय एफडीपी सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी-भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (एबीवी-आईआईआईटीएम), ग्वालियर के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा 'एडवांस्ड मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन-मेकिंगः फज़ी एवं ग्रे तकनीकें प्रबंधन अनुसंधान में (AMCDM-FGTMR)' विषय पर 13 से 17 फरवरी 2026 तक पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया।

यह कार्यक्रम प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनोज कुमार दाश तथा सह-संयोजक डॉ. चेतन्य सिंह थे। देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बहु-मापदंड निर्णय-निर्धारण (एमसीडीएम) की विभिन्न उन्नत तकनीकों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। सत्रों में शोध केस अध्ययन और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से प्रबंधन अनुसंधान एवं वास्तविक समस्याओं के समाधान में इन तकनीकों के उपयोग की गहन समझ विकसित की।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की उपयोगिता और व्यावहारिक दृष्टिकोण की सराहना की। सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

यह पहल संस्थान के निदेशक प्रो. एस. एन. सिंह के नेतृत्व में एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं अनुसंधान क्षमता संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह जानकारी संस्थान की मीडिया प्रभारी श्रीमती दीपा सिंह सिसोदिया के द्वारा दी गई।

समस्या निर्माण, आईएसएम, बीडब्ल्यूएम, एएचपी, डेमाटेल, फज़ी अप्रोच, प्रोमेथी, इलेक्ट्रे, टॉपसिस, ग्रे डेमाटेल, डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस (डीईए), ग्रे सिस्टम्स थ्योरी, जीआईएनए तथा फज़ी एएचपी जैसे विषय शामिल रहे।

प्रतिभागियों ने व्यावहारिक अभ्यास,

भिण्ड जिले में संगठनत्मक ढांचे को मजबूत बनाकर सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने का कार्य करें: पटेल

- प्रभारी मंत्री श्री पटेल से पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल, विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने संगठनत्मक विषयों पर महत्वपूर्ण बैठक के साथ अपने सुझाव प्रस्तुत किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मध्य प्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के निवास स्थान भोपाल में भारतीय जनता पार्टी कि संगठनत्मक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। और उन्होंने पार्टी नेताओं और पदाधिकारी जन प्रतिनिधियों से संगठनत्मक विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए पार्टी के कार्यक्रमों को लक्ष्य लेकर कार्य करें। इस अवसर पर जिला प्रभारी प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि संगठन हमारे लिए सर्वोपरि है, इसलिए हम सब मिलजुल कर प्रत्येक बूथ पर संगठन को आगे बढ़ाएं और आगामी कार्यक्रमों, हर समाज तक पहुंचाएं और उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार की विकास जनकल्याणी योजनाओं को भी हर व्यक्ति तक पहुंच कर उन्हें लाभ दिलाने का कार्य करें यह हम सबके लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने जिले के प्रभारी मंत्री पटेल जी के समक्ष संगठन की महत्वपूर्ण गतिविधियों को प्रस्तुत किया। जिला संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल ने जिले के संगठन एवं महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभारी मंत्री का ध्यान आकर्षित कराया। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने जिले के ही प्रभारी मंत्री के समक्ष भिंड विधानसभा क्षेत्र के विकास की योजनाओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की जिसमें मेडिकल कॉलेज गौरी सरोवर नगर पालिका से बनने वाले नगर निगम एवं किसानों तथा ग्राम पंचायत के विकास पर महत्वपूर्ण चर्चा की। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया जिला संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह विशेष रूप से मौजूद थे।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा से किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने मुलाकात की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मध्यप्रदेश भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा जी से भिंड भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने प्रदेश भाजपा कार्यालय भोपाल में पहुंचकर मुलाकात की और उन्होंने किसान मोर्चा संगठनत्मक विषय पर चर्चाएं की। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयपुरिया ने किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा से मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में प्रदेश के किसानों के लिए अनेक योजनाएं और उनके लिए महत्वपूर्ण बजट तथा किसान हितैषी बजट के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया उन्होंने किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चावड़ा को कहा कि मध्यप्रदेश बजट 2026-27 प्रदेश के हर वर्ग;श्रमिक, किसान,ग्रामीण परिवार और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।गरीब कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए श्रम विभाग हेतु ?1336 करोड़, गाँव से शहर तक विकास की नई ऊर्जा के लिए ग्रामीण विकास विभाग को ?29663 करोड़, तथा कृषि-उद्योग-सेवा क्षेत्र में संतुलित प्रगति सुनिश्चित करने हेतु पंचायत विभाग को ?10440 करोड़ का प्रावधान,जनहित के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण 4,38,317 करोड़ का बजट पेश, किसानों के लिए जनहितैषी बजट है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों के सशक्तिकरण के लिए किसान कल्याण वर्ष बना रही हैं। किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि और मुख्यमंत्री सम्मान निधि के प्रति वर्ष?12000 दिए जा रहे हैं किसानों को लाख सोलर पंप दिए जाएंगे।वीबीजी रामजी योजना के लिए 100428 करोड़ का प्रावधान किया गया है जिस गांव के विकास का निर्णय अब पंचायत स्तर पर पारदर्शिता के साथ हो सकेगा किसने की खुशहाली बढ़ाने के लिए इस सिंचाई के रकबे में लगातार वृद्धि की जा रही है नदी जोड़ परियोजना से बुंदेलखंड चंबल मालवांचल के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचने का कार्य किया जा रहा है प्रदेश भर में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई का रखबा 55 लाख हेक्टर से बढ़कर 1 हेक्टर तक पहुंचाया जाएगा मध्य प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक सदस्य करण के लिए वर्ष 2026 को किसान कल्याण दिवस बना रही है।

विद्युत विभाग ने बकायादारों से वसूली 5 लाख 40 हजार की राशि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों विनोद कटारे सहित अन्य के निर्देशों का पालन करते हुए सहायक यंत्री पी.एस. यादव, कनिष्ठ यंत्री मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में वसूली अभियान जारी रहा। 19 फरवरी को विद्युत विभाग की वसूली टीम के मनोज कुमार जाटव, ब्रजमोहन धाकड़, भारत मीना, रजत शर्मा, अमरकांत शर्मा, हरिओम कुशवाहा, ऋषिकेश कुशवाहा, घनश्याम सिकरवार सहित अन्य कर्मचारियों ने एमएस रोड सदर बाजार तहसील चौराहा, पुराना जौरा, पचबीघा, पगारा रोड सहित अन्य गली-मोहल्ले में जिन विद्युत उपभोक्ताओं पर कई माह से बकाया राशि वसूली थी। ऐसे लगभग चार दर्जन से अधिक बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही की गई। बकायादार उपभोक्ताओं से शाम तक वसूली टीम को 5,40,000 रुपये की वसूली भी प्राप्त हुई। विद्युत अधिकारियों का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन निर्देश के पालन में 28 फरवरी तक समाधान योजना का द्वितीय चरण लागू है। अतः 28 फरवरी से पहले पहले बकायादार उपभोक्ता उक्त समाधान योजना का लाभ लेते हुए बकाया राशि को जमा कर विभाग को सहयोग करें।

कक्षा 5 व 8वीं की बोर्ड परीक्षायें आज से

- दोपहर की पाली में होगी परीक्षा
- जिले में 288 परीक्षा केन्द्र, 64 हजार बच्चे होंगे सम्मिलित

ग्वालियर। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेशभर में एक साथ बोर्ड के पैटर्न पर शुक्रवार से कक्षा 5 व 8वीं की वार्षिक परीक्षायें शुरू की जा रही है। यह परीक्षायें दोपहर की पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित की जायेंगी। जिले से कुल 64 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। जिसमें कक्षा 5वीं के लगभग 34 हजार और 8वीं के 29 हजार 549 बच्चे शामिल हैं। छात्र संख्या में ध्यान में रखकर जिले में 288 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। साथ ही परीक्षा भी पूरी पारदर्शिता के साथ हो सके इसका भी पूरा ध्यान रखा है। औचक निरीक्षण के लिये कुल 12 उड़नदस्ते दल गठित किये गये है। जो शहर के साथ साथ डबरा, भितरवार, घाटीगांव, मुरार आर मुरार ग्रामीण के परीक्षा केन्द्रों में पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा लेगा।

जिला शिक्षा केन्द्र एपीसी एवं परीक्षा प्रभारी विजय शर्मा ने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। गोपनीय सामग्री को जन शिक्षा केन्द्रों से सुरक्षित पहुंचाया गया है। परीक्षा से आधे घंटे पूर्व गोपनीय सामग्री को परीक्षा केन्द्रों में पहुंचाया जायेगा। कुल 288 परीक्षा केन्द्रों बनाये गये है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर बच्चों को कोई समस्या न हो। पानी, बिजली, हवा आदि का भी विशेष ध्यान रखकर चाकचौबंद व्यवस्था की गई है। उड़नदस्ता दल हेतु डाइट, जिला शिक्षा केन्द्र, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और सभी बीआरसीसी दल भी शामिल रहेंगे।

छात्रों को परीक्षा केन्द्र में आधा घंटा पहले पहुंचना होगा

जिला शिक्षा केन्द्र के अनुसार छात्रों को परीक्षा केन्द्र पर कम से कम आधा घंटा पहले पहुंचना होगा। एडमिट कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों का पालन करना होगा। परीक्षा का समय ढाई घंटे निर्धारित है।

इनका कहना है

कक्षा 5 और 8वीं के पंजीकृत 64 हजार परीक्षार्थी इस बोर्ड पैटर्न की वार्षिक परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। सभी केन्द्रों में आदर्श व्यवस्थायें पूरी कर ली गई है। गोपनीय सामग्री जिले के सभी 55 जन शिक्षा केन्द्रों में पहुंचा दी गई है।

रविन्द्र सिंह तोमर
जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र ग्वालियर

10वीं के 24 हजार 151 छात्रों ने संस्कृत की दी गई परीक्षा

ग्वालियर। परीक्षा कंट्रोल रूम के अनुसार गुरूवार को जिले में कक्षा 10वीं में 24 हजार 151 परीक्षार्थियों ने संस्कृत विषय की परीक्षा दी। परीक्षा के लिये 24 हजार 786 विद्यार्थी पंजीकृत है। जबकि 24 हजार 151 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हो सकें। यह परीक्षा जिले के 91 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई। उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा बीती 13 फरवरी से प्रदेशभर में कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षायें आयोजित हो रही है। उर्दू, एनएस क्यूएफ अंग्रेजी सहित संस्कृत चौथा पेपर था। शुक्रवार 20 फरवरी को भी सहायक भाषा व मूकबधिर एवं दृष्टिहीन छात्रों का पेपर होगा। जबकि मुख्य परीक्षा 24 को होगी। मंगलवार को गणित का पेपर होगा।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा महान गुण था नारी सम्मानः आईजी सक्सेना

- छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हुए निकाली वाहन रैली

ग्वालियर। छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में समस्त मराठा एवं हिंदू समाज द्वारा महाराज बाड़े से एक भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को ग्वालियर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, रोटरी गवर्नर डॉ प्रदीप पाराशर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने हरी झंडी दिखाकर महाराज बाड़े से रवाना किया।

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना ने संबोधित करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा महान गुण था नारी सम्मान युद्ध में जीती गई स्त्रियों को वह सम्मान पूर्वक उनके घर भेजते थे। उनके लिए नारी शक्ति पूजा का स्वरूप थी। रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. प्रदीप पाराशर ने कहा कि शिवाजी महाराज का नेतृत्व दर से नहीं प्रेरणा

से चला था उनके सैनिक उन्हें राजा नहीं अपना मार्गदर्शक मानते थे यही कारण था उनके अनुयाई उनके लिए प्राण देने को तैयार रहते थे। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि जब भारत पर विदेशी आक्रांताओं का प्रभाव बढ़ रहा था तब शिवाजी महाराज ने कभी किसी के सामने सर नहीं झुकाया। उन्होंने हिंदवी स्वराज की स्थापना कर सिद्ध किया कि स्वतंत्रता किसी दान में नहीं मिलती उसे साहस और बलिदान से प्राप्त किया जाता है।

महाराज बड़ी से रैली शुरू होकर पारंपरिक परिधान में मराठा समाज की महिला एवं पुरुषों ने साफा बांधकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शिवाजी उद्यान स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर पहुंच कर माल्यार्पण किया। रैली में महिलाओं द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक वेशभूषा और साफा लगाकर नृत्य भी किया। युवाओं द्वारा टू व्हीलर और फोर व्हीलर की केसरिया झंडा लगाकर रैली का संचालन किया। शहर के प्रमुख मार्गों में समाजसेवियों द्वारा शिवाजी महाराज के चल समारोह का फूल मालाओं से स्वागत किया। रैली महाराज बाड़े से सराफा बाजार, गस्त का ताजिया, ऊंटपुल, जयेन्द्रगंज, चेतकपुरी, सिटी सेंटर होते हुए शिवाजी उद्यान सिटी सेंटर पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष सैकड़ों वाहनों पर सवार होकर जय शिवाजी जय भवानी के नारों के साथ जय घोष कर रहे थे।

इस अवसर पर मराठा बोर्डिंग के पूर्व अध्यक्ष संग्राम कदम, बाल खांडे, बलराज शिंदे, पार्षद मोहित जाट उपस्थित थे। इस रैली के संयोजक गगन जाधव, रोहित तांबे, रवि गरुड़, चेतन मोरे, जय कदम, दिगंबर चौहान, आनंद सावंत, वंदना कदम, सुनंदा परांडे, सूरज राजपूत आदि समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संगठित हिंदू समाज ही पूरे विश्व को दिशा दे सकता है: डॉ. कृष्ण गोपाल

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुखजन गोष्ठी आयोजित

ग्वालियर। एकत्व की भावना ही हिंदुत्व है। सर्वत्र ईश्वर का दर्शन ही सनातन भारत का दर्शन है। हिंदू सर्वे भवंतु सुखिनरू की कामना करता है, जबकि अन्य देश सिर्फ अपनी ही भलाई चाहते हैं। इसलिए संगठित हिंदू समाज ही पूरे विश्व को दिशा दे सकता है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने बुधवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित प्रमुखजन गोष्ठी में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी भी मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण गोपाल ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी संगठन के लिए शताब्दी वर्ष महत्वपूर्ण बात है। आज संघ की समाज में स्वीकार्यता बढ़ी है, लेकिन संगठन को सभी लोग निकटता और गहराई से समझें इसलिए शताब्दी वर्ष में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संघ की व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की कार्य कार्यप्रणाली पर आज जर्मनी, रूस सहित 50 देश शोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ही विश्व का समृद्ध देश रहा है, जो दुनियाभर में ज्ञान के अलावा वस्तुओं का निर्यात करता था। इसका उल्लेख विदेशी लेखकों ने भी किया है। फिर भी हमारे देश को पराधीन होना पड़ा। इस बात पर चिंतन करते हुए डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार इस निष्कर्ष पर पहुंचे समाज के बिखराव के कारण ही आक्रांताओं ने हम पर शासन किया था। उन्होंने कहा कि धर्म केवल रिलीजन नहीं, यह कर्तव्य है। इसलिए लोगों को माता-पिता सहित समाज और राष्ट्र के प्रति भी अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रस्तावना संघ के ग्वालियर विभाग कार्यवाह निरुपम नेवासकर ने रखी। एकल गीत हिमांशु गौड़ ने प्रस्तुत किया। संचालन अभिभाषक रविंद्र दीक्षित एवं आभार सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह ने किया।

पश्चिमी उपभोक्तावादी सुनामी से बचें

सह सरकार्यवाह ने रतन टाटा, बिडला, पूर्व राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, अब्दुल कलाम आजाद के प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि हमें आज पश्चिमी उपभोक्तावादी सुनामी से बचना चाहिए। लोग वाहन, मोबाइल, कपड़े सहित अन्य सामान को जल्दी-जल्दी बदल रहे हैं। पेट्रोल-डीजल, कोयला की खपत और पेड़ों के अंधाधुंध काटने से वातावरण दूषित हो रहा है। इससे ओजोन परत में भी छेद हो गया है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। प्रकृति के दोहन से दुनिया भयंकर आपदा की चपेट में आ रही है। इससे बचने का एकमात्र उपाय भारतीय दर्शन ही है।

शिवाजी महाराज ने देश को सांस्कृतिक आक्रमणों से बचायाः शर्मा

ग्वालियर। छत्रपति शिवाजी महाराज ने तत्कालीन समय में देश को विदेशी आक्रमणों के साथ साथ सांस्कृतिक आक्रमणों से भी सुरक्षित रखा। तत्कालीन समय में देश पर मुगलों का सब ओर से हमला हो रहा था। उनसे अपनी विशिष्ट छापामार शैली में लड़ते हुये शिवाजी महाराज और उनकी सेना ने देश की सीमाओं को सुरक्षित रखा। वहीं समाज को भी सांस्कृतिक प्रदूषण से बचाने में अग्रणी भूमिका निभाई। इसके चलते उनको पूरे देश में देवता की तरह पूजा जाता है। यह विचार आईआईटीटीएम के निदेशक डा. आलोक शर्मा ने मानस भवन में शिवाजी महाराज जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कही।

छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा समिति के अध्यक्ष अभय पापरीकर ने रखी। वहीं सचिव महेश मुदगल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में एएसपी सुमन गुर्जर भी मौजूद रही। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने शिवाजी महाराज पर आधारित नाटय अभिनय का मंचन किया। बच्चों ने बेहद जोश व उत्साह के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन को नाटक के रूप में जीवंत मंचन किया। इससे पूर्व शहर में अनेक संगठनों ने सम्मिलित रूप से चल समारोह भी निकाला। जिसका अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया। इसका समापन मराठा बोर्डिंग पर हुआ। इसमे छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से संबंधित प्रदर्शनी का बच्चों ने झांकी भी निकाली।

शिवाजी महाराज की जयंती पर चल समारोह निकला

गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मराठा समाज ने भव्य चल समारोह और वाहन रैली का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। चल समारोह शहर के महाराज बाड़ा से शुरू हुआ। यह सराफा बाजार, पाटनकर चौराहा, राम मंदिर, ऊट पुल, हाईकोर्ट होते हुए जयेंद्रगंज स्थित मराठा बोर्डिंग पर समाप्त हुआ। सिटी सेंटर स्थित छतरी पर माल्यार्पण किया गया। वाहन रैली सिटी सेंटर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की छतरी पर संपन्न हुई। यहां शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और जय शिवाजी, जय भवानी के नारे लगाए गए। जयंती के अवसर पर भारत रक्षा मंच ने सिटी सेंटर स्थित शिवाजी पार्क, आरोग्यधाम हॉस्पिटल में व्याख्यान माला आयोजित की। कार्यक्रम की शुरुआत शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। मराठा समाज और चल समारोह कमेटी के सदस्य गगन जादव ने बताया कि चल समारोह और वाहन रैली का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना था। उन्होंने कहा कि चल समारोह महाराज बाड़ा से शुरू होकर मराठा बोर्डिंग पर पहुंचकर समाप्त हुआ।

जेसीबी चालक ने स्कूटर में मारी टक्कर, युवक घायल

ग्वालियर। अपनी मां के साथ आ रहे ओला स्कूटर चालक को जेसीबी चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ओला स्कूटर चालक और उसकी मां घायल हो गये। हजीरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तानसेन चौराहे के पास सीवर लाइन का कार्य चल रहा है। इस सीवर लाइन की खुदाई के लिए जेसीबी लगी हुई है। जेसीबी क्रमांक एमपी06डीए 0121 का चालक सड़क की खुदाई कर रहा था, तभी उसने जेसीबी के बकेट को बिना देखे घुमा दिया। बकेट की चपेट में पास से गुजर रहा ओला स्कूटर आ गया। ओला स्कूटर पर संदीप वर्मा पुत्र मुन्नालाल वर्मा उम्र 40 साल निवासी न्यू ग्रेसिम विहार कॉलोनी, चार शहर का नाका और उसकी मां सुशीला वर्मा गिर गईं। इससे संदीप वर्मा की रीढ़ की हड्डी में चोट आई हैं, जबकि सुशीला वर्मा की बायीं पसली में चोटे आई हैं। हादसे की सूचना फरियादी ने पुलिस को दी। हजीरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो लोगों से ऑनलाइन ठगे 3 लाख

ग्वालियर। ऑनलाइन ठगी का लोग लगातार शिकार हो रहे हैं, ऐसे ही दो मामले जनकगंज एवं महाराजपुरा थाने में दर्ज हुए हैं, जहां ऑनलाइन ठगी कर दो लोगों से 3 लाख 29 हजार रुपए ठग लिए। पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार महेंद्र सिंह पुत्र स्व. जयकिशोर हिण्डोलिया निवासी चौहान टेंट हाउस के पास आदित्यपुरम थाना महाराजपुरा का मोबाइल बुधवार की सुबह 11.30 बजे अपने आप अपडेट होने लगा। इसके बाद अचानक महेंद्र कुमार के मोबाइल पर उनके एसबीआई बैंक के अकाउंट से 39 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। इसके थोड़ी देर बाद उनकी मॉ के खाते से 94 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। मैसेज आने के बाद जब उन्होंने बैंक जाकर पता किया तो दोनों के खाते से 1 लाख 34 हजार 996 रुपए निकल गए थे। इसकी सूचना उन्होंने महाराजपुरा थाने में दी। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है और यह पता लगा रही है कि आखिरकार अपने आप मोबाइल कैसे अपडेट होने लगा, साथ ही वह यह भी पता लगा रही है कि महेंद्र सिंह के खाते से निकले पैसे किन-किन खातों में ट्रांसफर हुए हैं। इसी प्रकार जनकगंज थाना क्षेत्र स्थित नितिन पवार स्व. कृष्णराव पवार उम्र 57 साल निवासी शिंदे मण्डली बाई साहब की परेड़ लक्ष्मीगंज ट्रेडिंग करते थे, उन्होंने 9 जनवरी से लेकर 9 फरवरी तक 1 लाख 94 हजार रुपए एंजिल एलेक्स कंपनी ने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद कंपनी ने उन्हें पैसे वापस नहीं किए। इसके चलते नितिन पवार ने एंजिल एलेक्स कंपनी के संचालक के खिलाफधोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है।

घर से कॉलेज के लिए निकला छात्र गायब

ग्वालियर। कॉलेज के लिए घर से निकला छात्र ना तो कॉलेज पहुंचा और ना ही वापस लौटकर घर आया। शाम तक परिजन उसका इंतजार करते रहे, साथ ही उसके दोस्तों और कॉलेज में खोजा। छात्र का कहीं भी पता नहीं चला जिसके बाद परिजनों ने मुरार थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार रूद्र प्रताप सिंह भदौरिया निवासी आदर्श गौशाला गेट नंबर 2 के पास लालटिपारा बुधवार की सुबह आईटीएम कॉलेज जाने के लिए निकला था, लेकिन वह शाम तक वापस लौटकर नहीं आया। शाम तक नहीं आने पर जितेंद्र सिंह भदौरिया पुत्र स्व. बलभद्र सिंह भदौरिया उसे खोजने के लिए कॉलेज गए, लेकिन कॉलेज से पता चला कि वह आज कॉलेज नहीं आया है। साथ ही उसका मोबाइल भी बंद जा रहा था। मुरार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

लग्जरी कार से स्टंट कर हाइवे पर की फायरिंग, वीडियो वायरल

ग्वालियर। लग्जरी कार खरीदने के बाद युवकों द्वारा स्टंट और दिनदहाड़े हाइवे पर फायरिंग का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है और आरोपियों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो शीतला माता रोड का है, जिसमें एक दर्जन से अधिक युवक नई लग्जरी कार में तेज म्यूजिक पर सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कुछ युवक कार की खिड़कियों से बाहर लटकते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद जश्न के दौरान एक युवक राइफल से हाइवे पर गोली चलाता हुआ नजर आया। हालांकि वीडियो गुरुवार को सामने आया, लेकिन घटना बुधवार दोपहर की बताई जा रही है। पुलिस अब हाईवे पर स्थित होटल और ढाबों के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर युवकों की पहचान करने में जुटी है। इस मामले में थाना प्रभारी कंपू अमर सिंह सिकरवार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर स्टंटबाजी और फायरिंग करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है।

बीती रात 1.6 मीमी हुई बारिश, सुबह चली सर्द हवायें

ग्वालियर। बुधवार की रात को हुई बारिश और आंधी ने तापमान को एक दम नीचे गिरा दिया, जिससे गुरूवार को दिनभर लोगों को सर्दी महसूस हुई। मौसम विभाग के द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार गुरूवार की सुबह तक 1.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं जनवरी से लेकर 19 फरवरी तक शहर में 66.4 मिमी बारिश हो चुकी है। वहीं फरवरी माह की मासिक बारिश 2.8 मिमी हो गई है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार गुरूवार को धूप खिली रही, जिससे बीते दिन की अपेक्षा अधिकतम तापमान लगभग 3 अंक बढ़ गया। फिर भी सामान्य से कम रहा। बीते दिन बुधवार को बादल छाए रहने से दिन का तापमान घटकर 23.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया था और यह सामान्य से 3.2 डिसे मायनस में दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 2.6 अंक बढ़कर अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस मायनस में आंका गया। वहीं बुधवार की रात को हुई बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया था। इसके साथ ही किसानों की चिंता बढ़ने लगी थी कि कहीं तेज बारिश और ओले खड़ी फसल को चौपट ना कर दें। लेकिन जैसे ही गुरूवार को मौसम सामान्य हुआ तो किसानों ने राहत की सांस ली।

कला ही सम्मान दिलाती है: डीएफओ मीणा

- नो सिंगल यूज प्लास्टिक का संदेश देने तपोवन में चला विशेष अभियान

ग्वालियर। सामाजिक वानिकी वृत्त ग्वालियर के अंतर्गत आने वाली तपोवन रोपणी में रंगों का प्रकृति का उत्सव देखने को मिला। नगर निगम और वन विभाग की ओर से आयोजित हरित तपोवन वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में करीब 50 कलाकारों ने हिस्सा लिया। इस रचनात्मक पहल में फाईट आर्टस कालेज के छात्र छात्राओं ने बुधवार को दीवारों पर वन्य जीवों और हरियाली की मनमोहक आकृतियां उकेरी।

इस अवसर पर डीएफओ मीणा अवधेश कुमार शिवकुमार ने छात्रों द्वारा उकेरी गई आकर्षक कलाकृतियों की प्रशंसा करते हुये कहा कि कला ही सम्मान दिलाती है। इसके बाद सभी कलाकारों को वन विभाग की तरफसे प्रोत्साहन राशि और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। वन विभाग की टीम द्वारा यहां आए सभी कलाकारों का विशेष सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सहायक वनसंरक्षक सुरेश कुमार अहिरवार, कंसलटेंट

नगर निगम देवेंद्र निम, कंसलटेंट नगर निगम नवीन राणा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन विशेष कर्तव्य अधिकारी श्रीमती शैलजा ठाकुर के मार्गदर्शन में हुआ।

हॉस्पिटल में इलाज कराने आया मरीज चोरी कर ले गया एक्टिवा

ग्वालियर। एमएच हॉस्पिटल में कार्य करने वाली महिला स्टाफकी एक्टिवा को इलाज कराने के लिए आए अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। शाम को जब एक्टिवा गायब मिली तो महिला स्टाफने इसकी सूचना मुरार थाने में दी। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफमामला कायम कर लिया है।

जानकारी के अनुसार सुनीता साहू पत्नी यतेंद्र मोदी उम्र 50 साल निवासी अलीजा बाग कॉलोनी शिंदे की छावनी एमएच हॉस्पिटल मुरार में आउससोर्स कर्मचारी के रूप में स्टेनो का कार्य करती हैं। बुधवार को वह अपने कार्य पर गई थीं, इस दौरान अस्पताल में इलाज कराने के लिए अज्ञात व्यक्ति ने पार्किंग में खड़ी एक्टिवा क्रमांक एमपी07एसजी 5113 को चोरी कर लिया। शाम को जब एक्टिवा नहीं मिली तो सुनीता साहू ने इसकी शिकायत मुरार थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात चोर की तलाश कर रही है।

निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन कल

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्धारित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार ग्वालियर जिले में भी फेटोयुक्त निर्वाचक नामावली (अर्हता तिथि 01.01.2026) का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधी की बैठक इस दिन दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगी। इस बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।

NOTICE

I, Manu Singh Bhadoriya, S/o Dhanendra Singh Bhadoria, R/o Flat No. 103, Vaibhav Sagar Apartment, Krishnanagar, Gola Ka Mandir, Gwalior, Madhya Pradesh, do hereby declare that I have changed the spelling of my name from Manu Singh Bhadoriya to Manu Singh Bhadoria for all future purposes.Henceforth, I shall be known as Manu Singh Bhadoria for all official and legal purposes.

जीवन विज्ञान मानव सभ्यता के विकास की आधारशिला हैः प्रो. राकेश कुशवाह

- प्राचीन से आधुनिक युग तक का सफर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

ग्वालियर। जीवन विज्ञान मानव सभ्यता के विकास की आधारशिला रहा है।प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद, वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। आधुनिक युग में जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे शोध मानव जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा में योगदान देना चाहिए। यह बात गुरूवार को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के कुलगुरू प्रो.राकेश कुशवाह ने स्कूल ऑफ स्टडीज इन बॉटनी एंड माइक्रोबायोलॉजी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही। डीआरडीई के पूर्व निदेशक डॉ. डी.के. दुबे, कुलगुरू डॉ. राजकुमार आचार्य, डॉ. सपन पटेल मंचासीन रहे। प्रो. एमके गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा बताई।

डॉ. डी.के. दुबे ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी आज राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। उन्होंने बताया कि जैव-रक्षा, वैक्सीन विकास और रोगजनक सूक्ष्मजीवों पर शोध में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जेयू के कुलगुरू डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि यह संगोष्ठी प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का सशक्त मंच साबित हुई है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि शोध की नई संभावनाओं को विकसित करना और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी दौरान जेयू और महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय के बीच एमओयू साइन किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इसी के साथ दो दिनों तक चले इस आयोजन में 100 से अधिक शोध-पत्र और पोस्टर प्रेजेंटेशन आयोजित किए गए। आयोजन सचिव डॉ.सपन पटेल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. विवेक बापट, प्रो. जेएन गौतम, प्रो. आईके पात्रो, प्रो. एसएन महापात्रा, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एसके श्रीवास्तव, प्रो. हेमंत शर्मा, प्रो. मुकुल तेलंग, प्रो. शांतिदेव सिसौदिया, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, प्रो. राधा तोमर, प्रो. महेंद्र गुप्ता, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. समीर भाग्यवंत, डॉ. निमिषा जादौन, डॉ. स्वर्णा परमार, प्रो. डीसी गुप्ता, डॉ. नवनीत गरूड़, प्रो. राजेंद्र खटीक, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, डॉ. सतेंद्र सिकरवार, डॉ. पीके जैन सहित शोधार्थी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

संपादकीय

भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान शिक्षा : सोच-समझकर आगे बढ़ने की आवश्यकता

डॉ विजय गर्ग

भारत की ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। यहाँ शिक्षा केवल जीविका कमाने का माध्यम नहीं थी, बल्कि जीवन को समझने, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाने और मानव कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने का साधन थी। आज जब विज्ञान और तकनीक का युग है, तब यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हमारी आधुनिक विज्ञान शिक्षा भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़कर आगे बढ़ रही है या उससे कटती जा रही है।भारतीय परंपरा में ज्ञान को समग्र रूप में देखा गया। वेद और उपनिषद में ब्रह्मांड, प्रकृति, चेतना और जीवन के रहस्यों पर गहन विचार मिलता है। आचार्य चरक और सुश्रुत ने आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा में वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग किया। आर्यभट ने खगोल विज्ञान और गणित में ऐसे सिद्धांत दिए जो आधुनिक विज्ञान की नींव से मेल खाते हैं।

यह परंपरा अनुभव, अवलोकन और तर्क पर आधारित थी – जो विज्ञान की मूल आत्मा है। आज की शिक्षा प्रणाली में विज्ञान को अक्सर परीक्षा और अंकों तक सीमित कर दिया गया है। विद्यार्थी सूत्र याद करते हैं, प्रयोगों का उद्देश्य समझे बिना उन्हें दोहराते हैं और विज्ञान को जीवन से जोड़ने में असफल रहते हैं।

रटने की प्रवृत्ति, समझ की कमी, प्रयोगात्मक शिक्षा का अभाव

प्रकृति और स्थानीय ज्ञान से दूरी

विज्ञान को नैतिकता और जीवन मूल्यों से अलग देखना, भारतीय ज्ञान परंपरा से क्या सीखें?

भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान शिक्षा को अधिक जीवन्त और प्रासंगिक बना सकती है।

ज्ञान को अलग-अलग विषयों में बाँटने के बजाय जीवन से जोड़कर समझना।

प्रकृति का अवलोकन, औषधीय पौधों का अध्ययन, स्थानीय पर्यावरण की समझ।

विज्ञान और नैतिकता का संतुलन

विज्ञान का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, केवल तकनीकी प्रगति नहीं।

प्रश्न पूछने की संस्कृति

उपनिषदों की संवाद परंपरा जिज्ञासा और चिंतन को बढ़ावा देती है।

विज्ञान शिक्षा में परंपरा का समावेश कैसे हो?

पाठ्यक्रम में भारतीय वैज्ञानिकों और परंपरागत ज्ञान को शामिल किया जाए योग, आयुर्वेद, पर्यावरणीय ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टि से पढ़ाया जाए, स्थानीय ज्ञान प्रणालियों का दस्तावेजीकरण और अध्ययन, प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा को बढ़ावा

विज्ञान को सामाजिक समस्याओं के समाधान से जोड़ा जाए

सावधानी भी आवश्यक

परंपरा को अपनाते समय अंधविश्वास और वैज्ञानिक सोच में अंतर समझना जरूरी है। हर परंपरागत विचार वैज्ञानिक नहीं होता। इसलिए:

प्रमाण और परीक्षण आवश्यक हैं, वैज्ञानिक पद्धति का पालन अनिवार्य है तर्क और विवेक को प्राथमिकता दी जानी चाहिए,

भारत यदि ज्ञान महाशक्ति बनना चाहता है, तो उसे अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक विज्ञान की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा हमें सोचने, प्रश्न करने और प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की प्रेरणा देती है, जबकि आधुनिक विज्ञान हमें खोज, नवाचार और तकनीकी प्रगति की दिशा दिखाता है। दोनों का समन्वय ही भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

विज्ञान तभी सार्थक है जब वह ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवता के साथ जुड़ा हो – और यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल संदेश है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

वैसे देखा जाए तो भारत पिछले एक दशक में जिस तेज गति से सौर ऊर्जा की ओर अग्रसर हुआ है, वह न केवल तकनीकी प्रगति का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक जलवायु संकट के प्रति देश की रणनीतिक समझ का भी संकेत देता है। वर्ष 2014 में जहां भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता मात्र तीन गीगावाट के आसपास थी, वहीं आज यह 135 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। यह वृद्धि केवल संख्यात्मक नहीं है; यह उस राजनीतिक इच्छाशक्ति, नीति समर्थन और पूंजी निवेश का परिणाम है

आज मुल्क (हम) उन सब दस्तूरों से मुक्त है, जो आवश्यक हैं..

अंकलेश जाखड़

ना जाने क्यों, ,मुझे हमेशा से ही घटनाओं से अधिक विचारों पर बात करना रोचक और अर्थपूर्ण लगता है .यही वजह है कि यदा कदा उन विचारों को ,जो मुझे आज के समय के हिसाब से प्रासंगिक और समय की जरूरत महसूस होते हैं, को मेरे अपने भावों में समेटकर , शब्दों के माध्यम से उन लोगों के साथ साथ साझा कर लेती हूँ, जिनसे बेहतर समझ और तर्क की उम्मीद होती है.

इसी सोच के साथ ,आज मैं आपके साथ जिस विचार और भाव की बात साझा कर रही हूँ, वो विचार हम सब इंसानों के लिए, खुद को इंसान सिद्ध करने के लिए ना केवल आवश्यक है बल्कि इंसान होने का प्राथमिक गुण भी है . बात को लंबी खींचने की बजाय, अपने मत को सिद्ध करने की दिशा में हम सीधे रुख करते हैं ज़ेहरा निगाह की प्रसिद्ध नज़्म जिसका शीर्षक है-

'सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है'

यह नज़्म बहुत खूबसूरत और अर्थपूर्ण है, इसलिए मुझे लगा कि सबके साथ यह कविता साझा करनी चाहिए . कविता का शीर्षक, कविता की प्रथम पंक्ति से लिया गया है प्रत्येक पंक्ति अपने आप में एक विशिष्ट है किंतु सम्पुर्ण भाव को सिद्ध करने के लिए सहायक पंक्ति की जरूरत महसूस होती है, इसीलिए पूरी कविता ,जो कुछ इस तरह से है आपके लिए प्रस्तुत है.

सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है

सुना है शेर का जब पेट भर जाए

तो वो हमला नहीं करता

दरख्तों की घनी छाँव में जा कर

लेट जाता है

हवा के तेज़ झोंके जब दरख्तों को

हिलाते हैं

तो मैना अपने बच्चे छोड़ कर

कव्वे के अंडों को परों से थाम

लेती है

सुना है घोंसले से कोई बच्चा

गिर पड़े

तो सारा जंगल जाग जाता है सुना है जब किसी नद्दी के पानी में बए के घोंसले का गंदुमी रंग लरज़ता है तो नद्दी की रुपहली मछलियाँ उसको पड़ोसन मान लेती हैं कभी तूफ़ान आ जाए, कोई पुल टूट जाए, तो किसी लकड़ी के तख़्ते पर गिलहरी, साँप, बकरी और चीता साथ होते है सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है खुदावंदा! जलील ओ मो'तबर! दाना ओ बीना! मुंसिफ़ ओ अकबर! मिरे इस शहर में अब जंगलों का ही

कोई क़ानून नाफ़िज़ कर!

मैं आपको बता दूँ कि ज़ेहरा निगाह एक प्रसिद्ध उर्दू कवयित्री और लेखिका हैं। उनका जन्म 14 मई 1936 को भारत के हैदराबाद में हुआ था और विभाजन के बाद उनका परिवार पाकिस्तान चला गया।

वह 1950 के दशक में उन दो महिला कवयित्रियों में से एक थीं जिन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले उर्दू काव्य जगत में अपनी पहचान बनाई। वर्तमान में प्रसिद्ध कवयित्री ज़ेहरा निगाह कराची, पाकिस्तान में रहती हैं। इस बात का उल्लेख इसलिए आवश्यक है कि यह कविता उन्होंने पाकिस्तान के उन हालातों को मध्य नजर रखते हुए लिखी होगी, जो इंसानियत और उनके मुल्क के लिए बेहद चिंता जनक रहें होगें. ज़ेहरा निगाह ने मुख्य रूप से जो नज़्म और ग़ज़ल के रूप में कविताएँ लिखी वो यथार्थ के बहुत नजदीक हैं.उनकी कविताओं में स्त्रीवादी दृष्टिकोण, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे, मानवीय भावनाएँ और दैनिक जीवन

के अनुभवों की अनुभूति होती है.सरल और सहज लेखन शैली में गहराई और मार्मिकता की ऐसी अभिव्यक्ति जो किसी भी इंसान के हृदय तक पहुँचे बैगर रह ही नहीं सकती.

इस कविता का एक एक शब्द उस हकीकत से होकर गुजर रहा है जिसका सामना देश दुनिया में, हम इंसान सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर रोज करते हैं, और कुछ इस तरह के माहौल में कर रहे हैं जो हर मानवीय दस्तूर के बंधन से मुक्त है और भयावह भी है. यदि मैं स्त्री की बात करूँ तो आज वह उस दस्तूर से मुक्त है जिस दस्तूर में उसके मन में करुणा , दया और प्रेम का भाव पनपता है. मैं पुरुष की बात करूँ तो वह हर उस दस्तूर से मुक्त है , जिसमें महिलाओं के मान की रक्षा की जाए. इन सबसे बढ़कर मैं यदि राजनीति की बात करूँ तो राजनेता हर उस भाव से मुक्त है जिसमें उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की जनता के प्रति होती है. मालिक नौकर के प्रति संवेदना के भाव से मुक्त है और व्यापारी अपनी तिजोरी भरने के चक्कर में गरीब की रोटी के भाव से मुक्त है.

पंथ अपने समकक्ष पंथ की विशेषताओं से युक्त होते हुए भी हम जैसे मंदबुद्धि लोगों की वजह से सहीष्णुता से मुक्त हो रहा हैं.इन सबसे बढ़कर भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता पक्ष संविधान के उस लोककल्याणकारी दस्तूर से मुक्त है जिसमें जनता का कल्याण निहित होता है. और तो और हमारे प्रधानमंत्री जी तो भी उस नैतिक जबबदेही से मुक्त हैं, जो जनता और देश के प्रति होती हैं. ईमान इतना बेईमान हो गया है कि ईमानदारी के दस्तूर से मुक्त हो चला है. एक कदम आगे बढ़ाकर मैं ,मेरे जैसी उदासीन आवाम की बात करूँ तो वो उस देशभक्ति के दस्तूर से मुक्त है, जिसमें देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव और देश प्रेम निहित होता है. मुक्ति के रास्ते पर क्या नेता, क्या अभिनेता, क्या आम ,क्या खास, क्या एक क्या अनेक ,सब उस रास्ते से दूर हैं जिसमें सही को सही और गलत को गलत मानने का दस्तूर होता है. आज धर्म शांतिपूर्ण सह- अस्तित्व के भाव की स्वीकृति से मुक्त है, और अमीर, गरीब तबके के हितों की पैरवी से भी मुक्त है. संक्षेप में कहूँ तो हम हर उस दस्तूर से मुक्त होने के कगार पर हैं जो हमारी आत्मा में परमार्थ का भाव पैदा करने के लिए आवश्यक है.

कविता की कुछ पंक्तियाँ,जिनके माध्यम से आपदा के समय जीवों के साथ आने की बात कही गई हैं और यह भाव संकट के समय एकजुटता और सहयोग की बात करता है। पर हम इंसान तो इस भाव से ही मुक्त हैं. यहाँ कविता की ये पंक्तियाँ लिखना इसलिए आवश्यक हो जाता हैं,कि मैं कोशिश करके भी उन शब्दों को अन्य शब्दों से प्रतिस्थापित नहीं कर सकती जो मूल भाव को दर्शाते हैं.

'कभी तूफ़ान आ जाए, कोई पुल टूट जा, तो किसी लकड़ी के तख़्ते पर गिलहरी साँप, बकरी और चीता साथ होते हैं '

कविता की उपरोक्त पंक्तियों में जंगल का वो खूबसूरत दस्तूर साफ़ नज़र आ रहा है जिसमें मुसीबत और तूफ़ान के वक्त सब जानवर एक ही लकड़ी को, जीवन की उम्मीद का सहारा बना लेते हैं ताकि कम साधनों में संगठित होकर अपनी जीवन रक्षा के उपाय खोजे जा सके .

और मैं इसके आगे की पक्तियों की बात करूँ तो यह कहना उचित ही होगा कि ईश्वर की श्रेष्ठ रचना या खूबसूरत कृति

जिसे मानव कहा जाता है, उसका दस्तूर इस कदर विकृत हो गया है कि यहाँ जंगल का दस्तूर लागू करने की गुजारिस बड़ी मार्मिकता और बोझिल मन से, उम्मीद की किरण के रूप में निम्नलिखित पंक्तियों के माध्यम से की गई है.

'सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है खुदावंदा! जलील ओ मो'तबर! दाना ओ बीना! मुंसिफ़ ओ अकबर!

मिरे इस शहर में अब जंगलों ही का कोई क़ानून नाफ़िज़ कर!

जेहरा निग़ाह जी की तरह मैं भी ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि मेरे शहर और मेरे मुल्क में भी ,जंगलों के इन्हीं नियमों को लागू किया जाए, जहाँ जंगल की तर्ज पर ही शांति, सहयोग और मानवीयता का बोलबाला हो। आधुनिक समाज की क्रूरता, स्वार्थ ,अव्यवस्था तथा राजनीति के सबसे घिनोने पक्ष से यह मुल्क मुक्त हो . हम सब देश हित में, जंगल के आदर्शों के आयाम के, माध्यम से एक बेहतर आयाम स्थापित करके, आवाम के हितों की रक्षा का उपाय तलाश कर यथासंभव उचित स्तर पर जीवन के खूबसूरत दस्तूर जिसमें प्रेम ,दया और जिम्मेदारी निहित हो, को अपने चरित्र में लागू करें...

शोक का शिष्टाचार, क्या सोशल मीडिया ने दुख की भाषा बदल दी है

सार्वजनिक शोक कई बार रणनीतिक माना जाता है- सहानुभूति, या सांस्कृतिक निकटता का निमंत्रण। कुछ लोग शोक सामग्री की इस नई लहर को 'प्रदर्शनकारी शोक' कहते हैं, क्योंकि ये 'लाइक' की गिनती संभावित रूप से ज्यादा लोगों को अपने साथ जोड़ने या कुछ मामलों में पैसे भी दिला सकती है। जब 26 जनवरी, 2020 को अमेरिका के मशहूर बास्केटबाल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की मृत्यु हुई, तो सोशल मीडिया मानो एक विशाल स्मारक बन गया, लेकिन शोक मनाने वालों की आलोचना हुई। कहा गया कि आप एक ऐसे बास्केटबाल खिलाड़ी के बारे में आनलाइन क्यों आंसू बहा रहे हैं, जिसे आप निजी तौर पर जानते तक नहीं! मगर जो लोग सचमुच दुख का इजहार करने की कोशिश करते हैं, उनके लिए आनलाइन माहौल अक्सर भ्रामक बन जाता है।

सच्चे दुख को कई बार संदेह, आलोचना या इस धारणा से देखा जाता है कि यह सब दिखावा है। सोशल मीडिया तुलना और प्रतिस्पर्धा को जन्म दे सकती है, जो आनलाइन शोक तक भी फैल जाती है। कौन ज्यादा बेहतर शोक मना रहा है, किसने सबसे अच्छा श्रद्धांजलि संदेश लिखा, किसने सबसे अच्छी तस्वीर पोस्ट की, कौन सबसे ज्यादा करीब था..! आनलाइन शोक के सामाजिक पदानुक्रम को समझना थोड़ा मुश्किल है। बहुत जल्दी या बहुत बार पोस्ट करने से यह आभास हो सकता है कि कोई व्यक्ति मृतक के उतने करीब नहीं था, जितना दूसरे सोचते हैं।

निजी तौर पर दोस्तों के बीच संवेदनशील बातचीत होती थी, जहां दुख वास्तविक लगता था। मगर आनलाइन की दुनिया में सब कुछ बदल गया है। सोशल मीडिया के मंचों पर शोक बनावटी महसूस होता है। यह वास्तविक दुख से ज्यादा धारणा प्रबंधन जैसा लगता है। पश्चिमी संस्कृति में खुले तौर पर दुख व्यक्त करना अक्सर नापसंद किया जाता है, लेकिन अन्य संस्कृतियों में दुख सामुदायिक होता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से शोक मनाना यह दर्शाता है कि व्यक्ति उस समुदाय का हिस्सा है। जैसे-जैसे युवा पीढ़ी शयनकक्ष और निजी बातचीत से सार्वजनिक तौर पर सोशल मीडिया पर दुख को स्थानांतरित कर रही है, मृत्यु या किसी बुरी घटना के बारे में बातचीत सार्वजनिक चौराहे पर लौट रही है। कुछ मायनों में, अगर हम अपने दुख के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करते हैं, तो यह ऐसा है- क्या आपको परवाह भी थी?

संचार के डिजिटल तरीकों की अवैयक्तिक प्रकृति ने जताई जा रही सहानुभूति की गहराई और ईमानदारी को लेकर भी चिंताएं पैदा की हैं। भौतिक मौजूदगी की कमी और गलत संचार या संवाद की संभावना से व्यक्ति तब अलग-थलग या बेसहारा महसूस कर सकता है, जब उसे सबसे ज्यादा दया और समझ की जरूरत होती है। दुख और सहानुभूति जताने में सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन इसे अभी तक ज्यादा पारंपरिक तरीकों की पूरी तरह से जगह नहीं माना जाता है।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया ने मृत्यु और शोक से जुड़ी पारंपरिक वर्जनाओं को चुनौती दी है, जिससे निजी अनुष्ठान सार्वजनिक, सुलभ दुख की अभिव्यक्तियों में बदल गए हैं। हालांकि डिजिटल शोक निजी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से साझा करने से शोक मानदंडों पर खरा उतर रहा है या नहीं, यह बहस का विषय बन चुका है।

ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया ने शोक की प्रक्रिया का लोकतंत्रीकरण कर दिया है, जिससे कोई भी किसी खास व्यक्ति की मौत के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकता है। कुछ लोग मानते हैं कि यह एक तरह का भाव-विरेचन या विरोध है, लेकिन ज्यादातर लोग इसे सांस्कृतिक गिरावट का एक संकेत मानते हैं। मौत का जश्न मनाना (यहां तक कि एक अनैतिक जीवन जीने वाले व्यक्ति की मौत का भी) मृतक और ऐसे उल्लास में भाग लेने वालों दोनों को अमानवीय बनाने का जोखिम लिए होता है। शोक संदेशों में तथ्यों को सम्मान के संतुलित लहजे के साथ मिलाया जाता रहा है। यहां तक कि जब मृतक बहुत नेक नहीं था, तब भी शोक संदेश लिखने वाले अक्सर इस कहावत का पालन करते थे कि मृतक के बारे में कुछ भी बुरा न कहें। मृतक के बारे में अच्छा ही कहें।

मौत खुद एक निश्चित विनम्रता की मांग करती है। ऐसे मृत लोग (खासकर प्रसिद्ध या शक्तिशाली) प्रतीक बन जाते हैं- शक्ति, असफलता, आशा या पाखंड के...। उनका निधन न केवल यह परिभाषित करने का अवसर बन जाता है कि वे कौन थे, बल्कि यह भी कि समाज उनकी याद में किस चीज को महत्व देना या बुरा कहना चुनता है। सोशल मीडिया ध्यान आकर्षित करने की प्रवृत्ति पर चलता है।

शोक संदेश जीवन के योगदानों का लेखा-जोखा रखने या कम से कम गरिमा के साथ उसके अंत को स्वीकार करने का होता है, हिसाब बराबर करने का जरिया नहीं। मृतक के कार्यों की परवाह किए बिना गंभीरता और सम्मान की उम्मीद आज के शोर मचाते मीडिया वाले माहौल में बेतुकी है, जहां हर मौत सुर्खियों में आई चर्चा का एक अवसर है।

हमें सुविधा और करुणा के बीच की पतली रेखा को समझना होगा। जब कोई, जिसकी हम परवाह करते हैं, किसी मुश्किल समय से गुजर रहा होता है, जैसे किसी प्रियजन को खोना, तो यह स्वाभाविक है कि हम अपना समर्थन और संवेदनाएं देना चाहें। फिर भी मानवीय स्वभाव है कि हम ऐसी स्थितियों से दूर रहें, जो मुश्किल या असहज लगती हैं- खासकर जब हमें यकीन न हो कि क्या कहना है।

फ्रांस से 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'

नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है।

नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।

पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे

पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे। उसके बाद न्यूजीलैंड और फिर यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया। हाल में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का एलान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को घटाकर अठारह फीसद कर दिया। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ।

इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपने उत्पादों के वास्ते दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने की हरसंभव कोशिश की तथा व्यापार समझौतों की शक्ल में उसके सफल नतीजे भी सामने आए। अब फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से भारत के व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सशक्तीकरण की संभावनाओं को और बल मिलेगा। भारत और फ्रांस ने परस्पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों और कंपनियों को अब दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आवागमन को नई गति मिलेगी।

गौरतलब है कि फ्रांस की मदद से कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच-125 हेलिकाप्टरों के निर्माण के लिए कलपुर्जों को जोड़ने का कारखाना भी स्थापित किया गया है, जहां अब काम शुरू हो गया है। यहां दुनिया के ऐसे शक्तिशाली हेलिकाप्टर का निर्माण किया जाएगा, जो विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम होगा।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और फ्रांस के बीच 'हैमर' मिसाइलों के उत्पादन को लेकर भी अहम समझौता हुआ है। इसके तहत भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड और फ्रांसीसी रक्षा कंपनी सैफरान संयुक्त उद्यम स्थापित करेगी। यह सच है कि फ्रांस, भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है और अब दोनों देशों के बीच सहयोग का नया अध्याय शुरू हो रहा है।

विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की पहल फ्रांस की विशेषज्ञता और भारत की विशाल क्षमता को एक साथ लाने का प्रयास है और इससे निश्चित तौर पर भारत की विनिर्माण एवं निर्यात क्षमताओं में इजाफा होगा।

यह भी पढ़ें- हम बनाएंगे एवरेस्ट के ऊपर उड़ने वाला हेलीकॉप्टर

भारत दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुंबई में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई। फ्रांसिसी राष्ट्र प्रमुख इमैनुअल मैक्रों से बातचीत और साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा है कि अब ऐसे हेलीकॉप्टर बनाए जाएंगे, जो कि माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई पर भी उड़ सकेगा।

अधिकार और अपनों का फायदा, जब भाई-भतीजावाद पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त नजर पड़ी

हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति में इसी का तरह मामला सामने आया है, जहां मानदंडों को दरकिनार कर पात्र व्यक्तियों की बजाय शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को आवास आबंटित कर दिए गए।

राजनीति से लेकर सरकारी तंत्र तक, हर जगह भाई-भतीजावाद की प्रवृत्ति अक्सर देखने को मिलती है। इससे न केवल योग्य प्रतिभाएं हाशिए पर चली जाती हैं, बल्कि पात्र नागरिकों के अधिकारों का हनन भी होता है। साथ ही इससे सामाजिक और संस्थागत विकास का न्यायिक पक्ष भी कमजोर होता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है।

हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति में इसी का तरह मामला सामने आया है, जहां मानदंडों को दरकिनार कर पात्र व्यक्तियों की बजाय शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को आवास आबंटित कर दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय को पक्षपातपूर्ण बताया

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को इस मामले में आवास का आबंटन रद्द करते हुए कहा कि यह निर्णय पक्षपातपूर्ण और आवासीय समिति के खुद के पात्रता मानदंडों का उल्लंघन करता है। साथ ही कहा कि इस तरह का भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप की तरह है।

गौरतलब है कि सरकारी आवासीय समितियों में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। कई मामले तो ऐसे होते हैं, जो उजागर ही नहीं हो पाते, क्योंकि दूसरा पक्ष कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होता है।

ऐसे में इन समितियों में अपने करीबियों को नियमों के विपरीत लाभ पहुंचाने का खेल चलता रहता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय को भी यह कहना पड़ा कि भाई-भतीजावाद और स्वार्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रतिकूल है, विशेषकर तब जब यह ऐसे समाज के भीतर हो, जिसमें सरकारी सेवा के सदस्य शामिल हों और जो पारदर्शी आबंटन प्रक्रिया के माध्यम से आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करता हो।

निस्संदेह आवासीय समितियों में भ्रष्टाचार और पक्षपात गंभीर समस्या है। इन समितियों के लेखा परीक्षण में लापरवाही, चुनाव कराने में देरी और दस्तावेजों में हेराफेरी किसी से छिपी नहीं है।

अफसोसनाक है कि आवासीय समितियों से संबंधित सरकारी अधिकारी भी कई बार इस तरह की हेराफेरी को नजरअंदाज कर देते हैं। शीर्ष अदालत का यह फैसला और टिप्पणी उन सभी आवासीय समितियों के लिए चेतावनी है, जहां आवास आबंटन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया जाता है।

यह भी पढ़ें- शक्तियों और अधिकार का घोर दुरुपयोगः सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप बताते हुए हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति द्वारा शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को दो फ्लैटों का आबंटन रद्द कर दिया है।

भारत- बीसीसीआई से रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश

नए स्पोर्ट्स मिनिस्टर बोले- पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाने की मंशा

नई दिल्ली। बांग्लादेश के नए स्पोर्ट्स मिनिस्टर अमीनुल हक बीसीसीआई और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को जल्दी सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने का जिक्र किया।हक ने कहा- शपथ लेने के बाद मैं पार्लियामेंट बिल्डिंग में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। मैंने उनसे टी-20 वर्ल्ड कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं। इस टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को अपने मुकाबले मुंबई और कोलकाता में खेलने थे। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टीम ने भारत दौरे पर आने से इनकार कर दिया। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल करने का फैसला किया था।

पीएम मोदी ने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी थी

इससे पहले 13 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी और रहमान के बीच पहली फोन बातचीत हुई थी। मोदी ने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी थी। उन्होंने कहा कि वे दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए साथ काम करने को उत्सुक हैं।बीएनपी ने एक्स पर एक पोस्ट में मोदी के बधाई संदेश के लिए धन्यवाद दिया। पार्टी ने कहा, 'हम भारत के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने को तैयार हैं। हमारा रिश्ता आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि की साझा प्रतिबद्धता से आगे बढ़ेगा।'

कतर ओपनः कार्लोस अल्काराज का क्वार्टर फाइनल में करेन खाचानोव से होगा मुकाबला

दोहा। कार्लोस अल्काराज ने वैलेंटिन रॉयर पर सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से जीत के साथ कतर ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। दूसरे सेट में एक समय अल्काराज का स्कोर 2-5 था, लेकिन इसके बाद लगातार 5 गेम जीतते हुए उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैं फिर से अच्छी रिदम और अच्छा टेनिस खेल पाया। मैं टेनिस जानता हूं। यह सिर्फ एक अंक के बारे में है, और कभी-कभी सेट या मैच खत्म करना वाकई मुश्किल होता है। मैं झूठ नहीं बोलूंगा, कुछ पल ऐसे थे जब मैंने तीसरे सेट के बारे में सोचा। मुझे खुशी है कि मैंने इसे पलट दिया और सीधे सेटों में जीत हासिल की।' क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का मुकाबला करेन खाचानोव से होगा। सातवीं सीड

खाचानोव ने बुधवार को मार्टन फुकसोविक्स को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया था। खाचानोव 2024 में कतर ओपन के चैंपियन रहे थे।

अल्काराज अब आउटडोर हार्ड कोर्ट पर 27 मैचों की जीत की स्ट्रीक पर हैं। यह सिलसिला पिछले अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में उनके टाइटल जीतने के बाद शुरू हुआ था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की उपलब्धि हासिल करने वाले 22 साल के अल्काराज अपने पहले कतर ओपन खिताब की तलाश में हैं। वह एक साल पहले इवेंट डेब्यू पर क्वार्टर फाइनल स्टेज में जिरी लेहेका से हार गए थे।

अल्काराज के ड्रॉ के हाफ में दूसरा क्वार्टर फाइनल पांचवें सीड और डिफेंडिंग चैंपियन एंड्री रुबलेव का मुकाबला स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। रुबलेव ने फैबियन मारोजसन को 6-2, 6-4 से हराया, जबकि पूर्व विश्व नंबर 3 सिटसिपास चौथे सीड डेनियल मेदवेदेव को 6-3, 6-4 से हराकर 10 महीने में अपने पहले टूर-लेवल क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे।

वेस्टइंडीज की इस टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत, इटली को 42 रन से हराया

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्डकप के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। वेस्टइंडीज की इस वर्ल्डकप में यह लगातार चौथी जीत है। गुरुवार को दिन के पहले मैच में इटली ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 165 रन बनाए हैं। जवाब में इटली 18 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। ग्रुप-सी का यह आखिरी मुकाबला था।

166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इटली के लिए बेन मैनेंटी ने 26,

जेजे स्मट्स ने 24, एंथोनी मोस्का ने 19 और ग्रांट स्टीवर्ट ने 12 रन बनाए। बाकी 7 बैटर्स दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने 4, मैथ्यू फोर्ड ने 3 और गुडाकेश मोती ने 2 विकेट लिए। अकील हुसैन को भी 1 विकेट मिला।

वेस्टइंडीज के लिए शाई होप ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 46 बॉल पर 75 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा, रोस्टन चेज 24 और शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 24 रन बनाए। इटली के लिए क्रिशन कलुगमागे और बेन मैनेंटी ने 2-2 विकेट लिए। अली हसन और थॉमस ड्राका को 1-1 विकेट मिला।

क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की मौत

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 खिलाड़ी घायल हो गए। यह घटना बुधवार शाम शुक्लागंज क्षेत्र के सप्रू मैदान में हुई।

पुलिस के मुताबिक, कानपुर निवासी मणिक गुप्ता मैच में अंपायरिंग कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों पर टूट पड़ा। हमले के बाद मैदान में अफरातफरी मच गई और खिलाड़ी व दर्शक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मधुमक्खियों के डंक से मणिक गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें पहले शुक्लागंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया,

लेकिन हालत बिगड़ने पर कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अंपायर और करीब 15-20 खिलाड़ियों को भी मधुमक्खियों ने डंक मारा, जिनका इलाज कराया गया।

क्रिकेट संघ ने जताया शोक

कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. एन. सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, 'उन्नाव में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में अंपायर मणिक गुप्ता का निधन हो गया। जब उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब भी मधुमक्खियां उनके चेहरे और शरीर से चिपकी हुई थीं, जिससे हमले की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।' उन्होंने आगे कहा, 'संघ इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है।'

जांच और सुरक्षा पर सवाल

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मैदान के आसपास मधुमक्खियों का छत्ता होने की संभावना जताई जा रही है। इस दुखद हादसे ने खेल आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्यापार

बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा : अनिल अंबानी

40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में एससी में हलफनामा, जांच में सहयोग भी करेंगे

नई दिल्ली। अनिल अंबानी ने आज यानी 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें उन्होंने वचन दिया है कि वे अदालत की अनुमति के बिना भारत छोड़कर नहीं जाएंगे। यह हलफनामा उनके रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों से जुड़ी 40,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी की जांच के बीच आया है।

अंबानी ने अदालत को यह भी भरोसा दिलाया है कि वे ईडी और सीबीआई द्वारा की जा रही जांच में पूरी तरह से सहयोग करेंगे। ये दोनों एजेंसियां अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ जांच कर रही हैं।

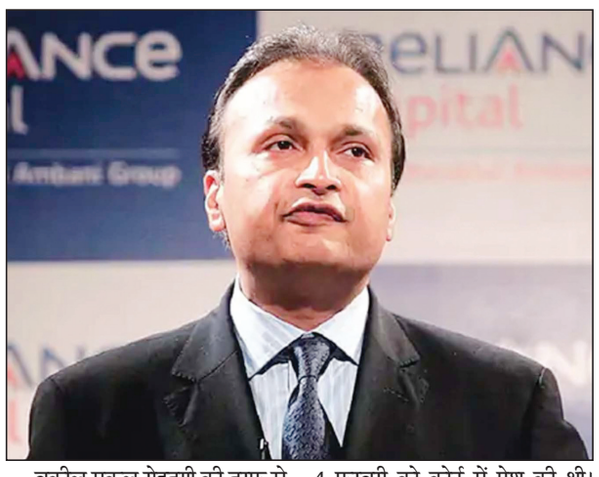

वकील मुकुल रोहतगी की तरफ से किए मौखिक वादे की पुष्टि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनिल अंबानी ने अपने हलफनामे में आधिकारिक तौर पर उस अंडरटेकिंग (वचन) को अपना लिया है, जो उनकी ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने 4 फरवरी को कोर्ट में पेश की थी। तब रोहतगी ने अदालत को मौखिक रूप से आश्वस्त किया था कि अंबानी देश छोड़कर नहीं जाएंगे। अब लिखित हलफनामा दाखिल होने के बाद यह कानूनी रूप से जरूरी हो गया है।

बैंक अधिकारियों की भूमिका की भी होगी जांच सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि एजेंसियां इस बात की भी तुरंत जांच करें कि क्या बैंक अधिकारियों की इस धोखाधड़ी में कोई मिलीभगत थी।

जांच में फंड्स के गलत इस्तेमाल का खुलासा श्वष्ठ ने अब तक की अपनी जांच में पाया है कि रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस में बड़े पैमाने पर फंड्स का गलत इस्तेमाल हुआ। 2017 से 2019 के बीच यस बैंक ने आरएचएफएल में 2,965 करोड़ और ऋष्टस्नरु में 2,045 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया था।

दिसंबर 2019 तक ये अमाउंट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स बन गए। ऋष्टस्नरु का 1,353 करोड़ औरक आरसीएफएल का 1,984 करोड़ अभी तक बकाया है।

एआई समिट से पीछे हटे बिल गेट्स, एपस्टीन केस की फाइलों में नाम आने पर लिया फैसला

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स नई दिल्ली में चल रही ढ्ढ समिट में अपना मुख्य भाषण नहीं देंगे। गेट्स फाउंडेशन ने इसकी जानकारी दी। फाउंडेशन ने कहा कि यह फैसला काफी सोच-विचार के बाद लिया गया है ताकि समिट का पूरा ध्यान अपनी प्राथमिकताओं पर बना रहे। फाउंडेशन ने बताया कि समिट में बिल गेट्स की जगह अब अंकुर वोरा फाउंडेशन का पक्ष रखेंगे। अंकुर वोरा गेट्स फाउंडेशन के अफ्रीका और भारत कार्यालयों के प्रेसिडेंट हैं। वे आज समिट के एक सत्र में अपनी बात रखेंगे। अंकुर वोरा फाउंडेशन के कामों को लंबे समय से देख रहे हैं।

एपस्टीन केस से जुड़े दस्तावेजों में नाम आने पर हटे गेट्स

बिल गेट्स के समिट से हटने से वजह अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में आए

उनके नाम को बताया जा रहा है। इन गुप्त दस्तावेजों को हाल ही में जारी किया गया है। एपस्टीन पर यौन अपराधों और नाबालिगों की तस्करी के गंभीर आरोप थे।

2019 में आत्महत्या के बाद, उससे जुड़े कई क्लासीफाइड दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। इन फाइलों में दावा किया गया है कि एपस्टीन और गेट्स के बीच गहरे संबंध थे। एपस्टीन ने गेट्स के एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स और अन्य निजी गतिविधियों में मदद की थी।बिल गेट्स ने एक इंटरव्यू में इन मुलाकातों पर अफसोस जताया है। उन्होंने कहा कि मैंने एपस्टीन के साथ जो भी समय बिताया, मुझे उसका पछतावा है और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं।

एनवीडिया सीईओ ने भी भारत दौरा टाला

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे दिग्गज शामिल हो रहे हैं। इसमें एनवीडिया के ष्टश्वह्व जेंसेन हुआंग भी शामिल होने वाले थे, लेकिन उन्होंने कार्यक्रम रद्द कर दिया है। कयास थे कि उनके हटने की वजह बिल गेट्स की मौजूदगी हो सकती है। हालांकि कंपनी ने कोई आधिकारिक कारण नहीं दिया है।

चीनी रोबोट विवाद के बाद प्रोफेसर को नौकरी की तलाश, लिंक्डइन पर लिखा ओपन टू वर्क

नई दिल्ली। चाइनीज रोबोट को गलगोटिया यूनिवर्सिटी का इन्वेंशन बताने वाली प्रोफेसर नेहा सिंह अब नई नौकरी की तलाश में हैं। उन्होंने लिंक्डइन प्रोफाइल पर 'ओपन टू वर्क' का स्टेटस अपडेट कर दिया है। इस मामले के आने के बाद सरकार ने यूनिवर्सिटी को एआई समिट से बाहर कर दिया था।

वहीं यूनिवर्सिटी ने इस पूरे मामले के लिए प्रोफेसर को जिम्मेदार ठहराते हुए माफी मांगी है। यूनिवर्सिटी ने कहा, 'हमारी एक प्रतिनिधि को सही जानकारी नहीं थी। वे कैमरे पर आने के उत्साह में गलत तथ्य दे गईं। उन्हें प्रेस से बात करने के लिए अधिकृत भी नहीं किया गया था। '

आईटी सचिव बोले- गलत जानकारी बर्दाश्त नहीं

विवाद पर बात करते हुए आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा, 'हम चाहते हैं कि लोग एक्सपो में जो भी प्रदर्शित करें, उसमें उनका वास्तविक काम दिखे। हम नहीं चाहते कि ऐसे आयोजनों का इस्तेमाल किसी और तरीके से किया जाए। गलत जानकारी को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। '

जब उनसे पूछा गया कि क्या मंत्रालय ने पहले मॉडल्स की जांच नहीं की थी, तो उन्होंने कहा, 'ये चीजें बिक्री के लिए नहीं थीं, जहां हमें सर्टिफिकेशन की जरूरत हो।

जब कोई प्रोडक्ट का डेमो देता है, तो हम मानकर चलते हैं कि उन्हें पता है वे क्या कह रहे हैं। अगर हम प्रदर्शनी की हर चीज को सर्टिफाई करने लगेंगे, तो लोग कहेंगे कि हम इनोवेशन को रोक रहे हैं। '

वीडियो वायरल होने से शुरू हुआ विवाद

वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह कह रही हैं कि इस रोबोटिक डॉग का नाम 'ओरियन' है। इसे गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। उन्होंने ये भी कहा कि यूनिवर्सिटी ढ्ढ के क्षेत्र में 350 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है।

सालाना 90 लाख होगा कार प्रोडक्शन, कार कंपनियां 1 लाख करोड़ लगा 65 प्रतिशत बढ़ाएंगी उत्पादन

नई दिल्ली। देश की पांच बड़ी कार कंपनियां अगले 5-6 साल में करीब 1 लाख करोड़ रुपए निवेश करके उत्पादन क्षमता 65% तक बढ़ाने जा रही हैं। इससे कारों का सालाना उत्पादन 55 लाख से बढ़कर 90 लाख तक पहुंच सकता है। बढ़ती मांग के बीच इससे सप्लाई बढ़ेगी, नए मॉडल आएंगे और लोकप्रिय मॉडलों के लिए इंतजार की अवधि घट सकती है।

देश की बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया, टोयोटा किलोस्कर मोटर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आक्रामक विस्तार की योजना बनाई है। इसके तहत भारी-भरकम निवेश से नए कारखाने खोले जाएंगे। एसयूवी, ईपी और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर जोर दिया

जाएगा। इसका मतलब है कि आगामी वर्षों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। नतीजतन अभी के मुकाबले कम कीमतों पर बेहतर फीचर वाली कारें बाजार में आ सकती हैं।

कंपनी अभी सालाना 26 लाख कारें बना सकती है। 2027 से 2030 के बीच अतिरिक्त 15 लाख कारों की उत्पादन क्षमता जोड़ेगी। गुजरात के गांधीनगर में सालाना 10 लाख कारों का नया बड़ा प्लांट लगेगा। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कंपनी बाजार हिस्सेदारी बचाना चाहती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटरः क्षमता दोगुनी करेगी

टोयोटा किलोस्कर मोटर उत्पादन क्षमता दोगुनी सालाना 10 लाख कारों तक पहुंचाने जा रही है। बिदादी (कर्नाटक) प्लांट का विस्तार करेगी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में नया बड़ा कारखाना लगाएगी। इससे फॉच्यूनर, इनोवा जैसे मॉडलों की लंबी वेटिंग कम हो जाएगी।

महिंद्रा एंड महिंद्राः सालाना उत्पादन 7.4 लाख बढ़ाएगी

कंगनी नागपुर में 5 लाख और चाकण में 2.4 लाख यूनिट की नई फैसिलिटी जोड़ेगी। अभी उत्पादन क्षमता सालाना 7.74 लाख कारों की है। 2030 तक इसे 15 लाख से ऊपर ले जाने का लक्ष्य है। 2027 में आने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी रेंज के लिए यह जरूरी है।

टाटा मोटर्स नई ईवी, एसयूवी उतारेगी कंपनी तमिलनाडु में नया प्लॉट लगाएगी। जिसमें 9,000 करोड़ रुपए लगेंगे और सालाना 2.5 लाख कारें बनेगी। मौजूदा फैक्ट्रियां सालाना 8.5 लाख तक कारें बना रही हैं।

प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में ली बैठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार दिनांक 14 मार्च 2026 शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय प्रकाश मिश्र ने जिला अभिभाषक संघ देवास में अधिवक्तागणों के साथ बैठक आयोजित की।

बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय प्रकाश मिश्र ने अधिववक्तागणों को संबोधित करते हुए कहा कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय के साथ-साथ अधिवक्तागण का भी विशेष सहयोग एवं भूमिका रहती है कि वह पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत में राजीनामा हेतु प्रेरित कर सकते है। साथ ही नेशनल लोक अदालत में अधिकाशतः मामले जैसेः- मोटर दुर्घटना दावा, राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, धारा 138 चैंक बाउंस, एवं वैवाहिक मामलों में विशेष रूप से राजीनामा की संभावना अधिक रहती है।

बैठक में विशेष न्यायाधीश/प्रभारी नेशनल लोक अदालत, श्री विकास शर्मा, श्री उमाशंकर अग्रवाल प्रथम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री अभिषेक गौड़ पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री राजेन्द्र कुमार पाटीदार तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री उत्तम कुमार डार्बी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री प्रसन्न सिंह बहरावत चतुर्थ अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, डॉ. श्री रविकांत सोलंकी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री भारत सिंह कनेल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री नीलेन्द्र कुमार तिवारी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्री कुंवर युवराज सिंह पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्रीमती निकिता वार्ष्णेय पाण्डे षष्टम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्री प्रियांशु पाण्डे सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्री सौरभ जैन अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास, श्रीमती चंद्रा पंवार पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास, सुभाष चौधरी जिला विधिक सहायता अधिकारी देवास एवं अशोक वर्मा, अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ देवास सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण कराने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरणों एवं बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार विशेष छूट दी जाएगी।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अजय प्रकाश मिश्र ने अधिवक्तागणों से अपील की कि अधिवक्तागण विशेष रूप से रूचि लेकर नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों को समझाईश दे कि राजीनामा के आधार पर मामले का शीघ्र और बिना किसी व्यय के निराकरण होता है और पक्षकारों के बीच प्रेम और स्नेह बना रहता है। पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष की लोक अदालतों में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराया जावे। नेशनल लोक अदालत में सिविल एवं चैक अनादरण से संबंधित प्रकरणों में न्यायशुल्क की राशि की नियमानुसार वापसी होती है जिससे पक्षकारों को अतिरिक्त लाभ होता है। अतः अधिक से अधिक पक्षकार इस अवसर का लाभ उठायें।

देवास शहर में महिलाओं के मंगल सूत्र लूटने की दो अलग-अलग सनसनीखेज वारदातें करने वाला अंतर-राज्यीय गिरोह 40 दिनों के अथक परिश्रम उपरांत गिरफ्तार

-देवास की दो वारदातों के साथ-साथ रतलाम में घटित वारदात को भी देवास पुलिस ने किया ट्रेस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। 08 जनवरी 2026 को फरियादिया रुकमणी शर्मा निवासी राधागंज द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने पोते को किंडर स्कूल राधागंज, देवास से घर लेकर लौट रही थी तभी मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसके गले से सोने की चेन झपट ली । उक्त घटनाक्रम को त्वरित संज्ञान में लेकर देवास पुलिस आरोपियों की तलाश में संलग्न हुई,इसी दौरान 19 जनवरी 2026 को एक अन्य फरियादिया उषा नवरंगे मंदिर जाते समय चेन स्नैचिंग की शिकार हुई । दोनों घटनाओं पर थाना बैंक नोट प्रेस में क्रमशः अपराध क्रमांक 14/2026 एवं 35/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई । घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा चेन स्नैचिंग के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक(एल/आर) संजय शर्मा के निर्देशन में तत्कालीन थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस अमित सोलंकी एवं थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस श्रीमति प्रीति कटारे के नेतृत्व में कुल 04 विशेष टीमों का गठन किया गया । विशेष टीमों के द्वारा तकनीकी साक्ष्य,भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आस-पास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज चेक किये गये । 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम' में जनसहयोग से लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की गई। लगभग 800 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगाली गई,तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों का अंतर्राज्यीय स्तर पर पीछा करते हुए उड़ीसा एवं सूरत में दबिश देकर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त चेन स्नैचिंग की घटनाएं करना स्वीकार किंया । आरोपियों द्वारा जिला रतलाम में भी दिनांक 18जनवरी2026 को चेन स्नैचिंग की घटना कारित की गई थी जिस पर थाना स्टेशन रोड रतलाम पर अपराध क्रमांक 38/19जनवरी 2026 का पंजीबद्ध है । आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

जप्त सामग्री

02 सोने की चेन कीमत लगभग 4.50 लाख,सोने का पेंडेंट कीमत लगभग 60,000/-,02 मोटरसाईकल कीमत 90,000/-,मोबाईल फोन कीमत 45,000/- कुल मश्रुका कीमत 6,45,000/- का जप्त ।

गिरफ्तार आरोपी

01.कान्हु चरण बधई पिता घनश्याम बधई उम्र 30 साल निवासी ग्राम झिटीकाबाड़ी पोस्ट खंडरु जिला गंजम उड़ीसा हाल मुकाम शांति मोहल्ला जिला सूरत(गुजरात) ।

02.धवल कुमार पारेख पिता दिनेश भाई पारेख उम्र 42 साल निवासी म.न 302 रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सयान सूरत(गुजरात) ।

03.रेखाबाई पति धवल कुमार पारेख उम्र 40 साल निवासी कृष्णा कॉम्पलेक्स फ्लेट क्रमांक बी 401 सूरत (गुजरात) ।

इनका रहा सराहनीय कार्य

सराहनीय कार्य मे थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस श्रीमति प्रीति कटारे,थाना प्रभारी नाहर दरवाजा अमित सोलंकी,उनि गोपाल चौधरी,राहुल परमार, गौरीशंकर यादव,कृष्णा सूर्यवंशी,सउनि ईश्वर सिंह मण्डलोई,कमल सिंह ठाकुर,प्रआर अशोक जोसवाल,कुलदीप सिकरवार,धर्मेन्द्र चित्तोड़िया,हिमांशु कुशवाह,आर दीपेन्द्र शर्मा,संदीप यादव,दीपक वर्मा,महिला आरक्षक मोनिका चौहान, सपना राजपूत,ज्योति कुमावत,लाड़कुंवर राजपूत,शिवानी कुशवाह थाना बैंक नोट प्रेस एवं इंचार्ज थाना प्रभारी पलसोरा कौशिक मांझी,सउनि रमन कुमार सबारा,प्रआर प्रताप प्रधान,आर मरकंडा बेहरा थाना पलसोरा जिला गंजम (उड़ीसा),थाना ओलपद सूरत(गुजरात) से आर श्रवण ,अमृत ,जय सिंह,गुलाब सिंह,भरत ,ओदा भाई एवं सायबर सेल देवास से प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर,सचिन चौहान एवं मआर नैना खान की सराहनीय भूमिका रही।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडियारास नवनिर्मित भवन में शीघ्र होगा प्रारंभ

जिला पंचायत सीईओ ने विभिन्न विकास कार्यो का लिया जायजा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने नवीन स्वीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडियारास के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया गया इस दौरान प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ धनीराम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उन्होंने नवनिर्मित स्वास्थ्य केन्द्र भवन का अवलोकन करते हुए आगामी 15 दिवस में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडियारास का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए उन्होंने भवन का अवलोकन करते हुए दिव्यांग शौचालय में रैंप लगाने,बायो मेडिकल बेस्ट के लिए निर्धारित स्ट्रक्चर बनाए जाने तथा परिसर में निर्मित स्टाफ क्वार्टर में संबंधित स्टाफ को शिफ्ट कराने के निर्देश दिए।

उप स्वास्थ्य केन्द्र केल्हौरी का सीईओ ने लिया जायजा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र केल्हौरी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के बाउंड्रीवाल,स्टाफ क्वार्टर के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण के दौरान महिलाओं के प्रसूति के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया तथा मानक निर्देशानुसार आवश्यक सामग्री की यथास्थान उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वृंदावन ग्राम केल्हौरी के समग्र विकास पर जिपं सीईओ ने बैठक कर की चर्चा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत भवन केल्हौरी पहुंचकर भवन का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम पंचायत भवन में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान के लिए भवन निर्माण की मांग का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत सभागार में ग्राम पंचायत केल्हौरी को वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित करने समग्र विकास कार्य योजना तैयार करने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के तहत स्थानीय निवासियों को सोलर सिस्टम लगवाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा उन्हें योजना के अनुदान,लाभ आदि की जानकारी प्रदान करने के संबंध में ग्राम पंचायत सचिव को निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक शौचालय के निर्माण, पंचायत भवन में वाई-फाई सुविधा सिस्टम लगाने तथा पंचायत लर्निंग सेंटर के अनुसार व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत केल्हौरी के अंतर्गत स्व सहायता समूह को आजीविका आधारित गतिविधि के लिए प्रोत्साहित करने तथा ऐसे समूह को चिन्हित करने के निर्देश दिए उन्होंने नल,जल, प्रकाश आदि के स्व करारोपण के संबंध में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि ग्राम केल्हौरी में अनेक किसानों द्वारा गन्ने की खेती की जा रही है जिसके संबंध में जिला पंचायत सीईओ ने गन्ने से गुड बनाने की प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने वृंदावन ग्राम केल्हौरी के घरों में हार्वेस्टिंग वाटर सिस्टम लगवाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने निर्देश दिए। उन्होंने नाली, सड़क, स्वच्छता तथा एफएसटीपी के लिए स्थल चिन्हांकन के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत केल्हौरी मे बैठक के पश्चात बरगवां रोड पर स्थित शासकीय आरजी की 11 एकड़ भूमि में उद्यान आदि के विकास संबंधी कार्यों के संबंध में मौका निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए।

ग्राम करहीवाह में पीसीसी सड़क तथा बालिका शौचालय में जलापूर्ति व्यवस्था का जिपं सीईओ ने लिया जायजा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने बुधवार को जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवार के ग्राम करहीवाह में प्राथमिक विद्यालय से जगमोहन कोल के घर तक 15वें वित्त मद से निर्मित कराई गई पीसीसी रोड लागत 9.35 लाख के कार्य का अवलोकन किया गया। उन्होंने शासकीय प्राथमिक विद्यालय करहीवाह मे शौचालय में उपलब्ध बोरवेल पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया जहां विद्युत सप्लाई न होने से जलापूर्ति बाधित पाई गई। जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए जलापूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश ग्राम पंचायत के सचिव को दिए गए।

बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित

-शिविर में 114 ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से संकल्प से समाधान अभियान तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत परिवहन विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से बालिकाओं और महिलाओं के लिए निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें विधिवत ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग मंजूषा शर्मा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर और संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर की छात्राओं ने भी शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी ने कहा कि पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित और आत्मविश्वास के साथ वाहन चलाने के लिए सक्षम बनाना है। इससे महिलाओं की गतिशीलता बढ़ेगी और वे शिक्षा, रोजगार और अन्य गतिविधियों में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगी।शिविर के दौरान बालिकाओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग और सुरक्षित वाहन संचालन संबंधी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी सक्षम बनाती है। शिविर में 114 बालिकाओं/महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए।

बोर्ड परीक्षा के उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य हेतु उत्कृष्ट उ.मा.वि. अनूपपुर परिसर मे 22 फरवरी से एक माह के लिए अनधिकृत प्रवेश प्रतिबंधित

-हर्षल पंचोली कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जारी किया आदेश

अनूपपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा संचालित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीय मूल्यांकन के लिए शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर को मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। संस्था के प्राचार्य को मूल्यांकन केन्द्राधिकारी नियुक्त किया गया है। मूल्यांकन कार्य 22 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर लगभग एक माह तक चलेगा।

मूल्यांकन कार्य की गोपनीयता एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मूल्यांकन केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर परिसर में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। आदेशानुसार 22 फरवरी 2026 से आगामी एक माह तक विद्यालय परिसर में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश एवं अनावश्यक जमावड़े पर प्रतिबंध रहेगा।उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

थाना अम्बाह के नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा को विदाई दी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा के स्थानांतरण के उपरांत थाना परिसर अंबाह में राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा उनका बिदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नगर निरीक्षक के योगदान और उनके उत्कृष्ट सेवा भाव को सराहा गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के प्रतिनिधियों ने नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा को सम्मानित किया। जितेंद्र उपाध्याय जी महाराज ने उन्हें शॉल, श्रीफल और श्री राधा-कृष्ण की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने उनके कार्यकाल के दौरान किए गए प्रयासों और जनता के हित में उनके योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम में बताया गया कि नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा ने अपने कार्यकाल में न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में भी तत्परता दिखाई। उनके प्रयासों से स्थानीय लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई।

समारोह में नागरिकों और संगठन के पदाधिकारियों ने नगर निरीक्षक के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें उनके आगामी कार्यक्षेत्र में सफलता की शुभकामनाएं दी। ज्ञात रहे कि बीते रोज पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा निकाली गई स्थानांतरण सूची में अंबाह के थाना प्रभारी सतेंद्र कुशवाहा का ट्रांसफर कैलारस कर दिया गया है एवं कैलारस के थाना प्रभारी वीरेश कुशवाहा का ट्रांसफर अंबाह कर दिया गया है अब अंबाह थाने की कमान वीरेश कुशवाहा संभालेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व कैबिनेट मंत्री, अनूपपुर विधायक बिसाहू लाल सिंह के पत्र पर लिया संज्ञान, शीघ्र बनेगा अमरकंटक लोक

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री, अनूपपुर के विधायक बिसाहू लाल सिंह ने लिखे गए पत्र पर मध्य प्रदेश शासन ने बजट में अमरकंटक लोक बनाने का किया प्रावधान, बिसाहू लाल सिंह ने बताया कि अमरकंटक को नर्मदा लोक बनाने हेतु पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया गया था मुझे अत्यंत हर्ष है कि बजट 2026-27 में अमरकंटक को 'आध्यात्मिक राजधानी' के रूप में स्थापित करने और वहाँ की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार करने हेतु विशेष राशि आवंटित की गई है.!!

अम्बाह बायपास को डबल लेन बनाने की मांग को लेकर कार्यपालन यंत्री को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंबाह नगर में निर्माणाधीन नए बायपास मार्ग को दोहरी सड़क (डबल लेन) के रूप में विकसित करने तथा करोली माता रोड पर सर्विस लाइन (कनेक्टिंग रोड) उपलब्ध कराने की मांग को लेकर गुरुवार को लोक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग) के कार्यपालन यंत्री ग्वालियर को ज्ञापन सौंपा गया।

भारतीय जनता पार्टी के जिला सह कार्यालय मंत्री अखिलेश शर्मा 'कल्ला' एवं अन्य नागरिकों ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि अंबाह में बन रहा नया बायपास मार्ग नगर की यातायात व्यवस्था और भविष्य की बढ़ती आवश्यकताओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। वर्तमान में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यदि मार्ग को एकल लेन में ही विकसित किया गया, तो आने वाले समय में यातायात दबाव बढ़ने से जाम और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहेगी। इसलिए प्रारंभ से ही इसे डबल लेन के रूप में तैयार किया जाना जनहित में आवश्यक है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि करोली माता रोड से बायपास को जोड़ने के लिए सर्विस लाइन (कनेक्टिंग रोड) की व्यवस्था नहीं है। इससे स्थानीय रहवासियों, दुकानदारों और मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सर्विस लाइन बनने से यातायात अधिक व्यवस्थित होगा और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।उन्होंने विभाग से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन में किशोरी गुप्ता जिला अध्यक्ष बनीं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की मध्यप्रदेश महिला इकाई द्वारा जिला मुरैना में नई नियुक्ति की घोषणा की गई है। अंबाह निवासी श्रीमती किशोरी गुप्ता को जिला अध्यक्ष (महिला) पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश महिला अध्यक्ष मंजरी जैन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश जैन, संभागीय प्रभारी रवि सेन जैन एवं संभागीय अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल की अनुशंसा पर की गई है। संगठन द्वारा जारी पत्र में बताया गया कि महासम्मेलन देश-विदेश में वैश्य समाज को संगठित करने, समाज के हितों की रक्षा करने और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। श्रीमती किशोरी गुप्ता की सामाजिक सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता और समाज सेवा के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया गया है। संगठन ने उनसे अपेक्षा की है कि वे जिले में व्यापक जनसंपर्क स्थापित करते हुए महिला इकाई को सशक्त बनाएंगी तथा मंडल और जिला स्तर पर संगठन का विस्तार करेंगी। नियुक्ति पर वैश्य समाज के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। संगठन ने विश्वास जताया है कि वे अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए महिलाओं को संगठित कर संगठन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेंगी।

रात्रि कॉम्बिंग गश्त में रामनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 06 स्थायी वारंट तामील

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान सर के आदेशानुसार दिनांक 18.02.2026 की रात्रि में थाना रामनगर पुलिस द्वारा कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान न्यायालय से जारी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 6 स्थायी गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए।

तामील किए गए स्थायी वारंटी इस प्रकार हैं —

1. प्रकरण क्रमांक 664/22, अपराध क्रमांक 442/22 वारंटी सतीश कुमार चोटेल, पिता दयाराम चोटेल, उम्र 29 वर्ष, निवासी शांति नगर, थाना रामनगर धारा 25(2) आर्म्स एक्ट के प्रकरण में वारंट तामील किया गया।

2. प्रकरण क्रमांक 261/23, अपराध क्रमांक 150/23 वारंटी संजू पनिका, पिता स्व. रोहित पनिका, उम्र 30 वर्ष, निवासी शांति नगर, थाना रामनगर धारा 294, 323, 506 भा.दं.सं. के प्रकरण में वारंट तामील किया गया।

3. प्रकरण क्रमांक 1066/22, अपराध क्रमांक 389/22 वारंटी राजू सिंह, पिता अजीत सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी सेमरा। धारा 34(1) आबकारी एक्ट के प्रकरण में वारंट तामील किया गया। 4. प्रकरण क्रमांक 477/21, अपराध क्रमांक 234/21 वारंटी चंद्रमा ठाकुर, पिता शत्रुघ्न ठाकुर, उम्र 43 वर्ष, निवासी चर्च के पास, थाना रामनगर धारा 323, 506, 34 भा.दं.सं. के प्रकरण में आरोपी के मृत होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर वारंट तामील कराया गया।

5. प्रकरण क्रमांक 2867/18 आरोपी सुरेंद्र ससमल, पिता कृष्ण ससमल, निवासी पौराधार, थाना रामनगर धारा 138 एनआई एक्ट के प्रकरण में वसूली राशि न्यायालय में जमा कराकर वारंट तामील कराया गया। 6. प्रकरण क्रमांक 818/22, अपराध क्रमांक 414/22 वारंटी मोनू बंसल, पिता गिरिया बंसल, उम्र 22 वर्ष, निवासी थाना रामनगर धारा 294, 323, 506, 34 भा.दं.सं. के प्रकरण में वारंट तामील किया गया। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत वारंटियों की गिरफ्तारी और लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना क्रियान्वयन करें और शत प्रतिशत उपलब्धि करें सुनिश्चित बनाएं : मुख्य सचिव जैन

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में की शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा

भोपाल। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के विकास कार्यों को प्रमुखता दे। मुख्य सचिव श्री जैन ने मंत्रालय में कलेक्टर- कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि केंद्र प्रवर्तित योजनाओं और निर्माण कार्यों को समय अवधि में पूर्ण करें। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना बनाकर क्रियान्वयन में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल किया जाना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना में चयनित गांवों को बुनियादी सुविधाओं, गौपालन और डेयरी विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर और 'आदर्श ग्राम' के रूप में विकसित करने के लिए 31 मार्च तक विजन डॉक्यूमेंट को पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा में उन्होंने पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्रोतों को विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव श्री जैन ने जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजना की समीक्षा करते हुए रीवा, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, मुरैना और भिंड कलेक्टर्स को कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के नवीन स्वीकृत भवनों के लिए निवाड़ी, पांढुर्ना, नीमच, बैतूल, हरदा, अशोकनगर, ग्वालियर, शिवपुरी और भिंड को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसे क्षेत्र है जो समाज के भविष्य को प्रभावित करते है। प्रदेश और समाज के विकास के लिए इन दोनों क्षेत्र में काम करना आवश्यक है। शिक्षा विभाग की योजनाओं की जिलों में क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव श्री जैन ने नवीन सत्र में नामांकन बढ़ाने और ड्राप आउट को जीरो करने पर जोर दिया। उन्होंने शाला के बाहर के चिन्हांकित बच्चों में से एजुकेशन पोर्टल 3.0 में दर्ज विद्यार्थियों के प्रोफाइल प्रतिशत बढ़ाने पर जबलपुर संभाग और पन्ना एवं बालाघाट जिले की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य प्रदेश में किया जाना है, इसलिए जनगणना कार्य की अवधि को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक सत्र संचालित करें ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि बच्चों का एलिमेंट्री प्री स्कूल एजुकेशन सबसे महत्वपूर्ण है। यही पढ़ाई उनके आईक्यू में परिलक्षित होती है, इसलिए आगनबाड़ी में 3-6 वर्ष के बच्चों के पंजीयन को बढ़ाये। गाँव में जाकर सैंपलिंग चेकिंग करें पालकों से वन टू वन चर्चा करे। इसके लिए अपने जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला बाल विकास के अधिकारियों के समन्वय से कार्य कराये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने 8 मार्च, महिला दिवस तक सभी शासकीय शालाओं में बालिका शौचालय के निर्माण को पूर्ण करने के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

विधानसभा घेराव में ग्वालियर कांग्रेसजनों की ऐतिहासिक उपस्थिति होगी: अध्यक्ष यादव

ग्वालियर। जवाहर चौक भोपाल में 24 फरवरी को होने वाले कांग्रेस के विधानसभा घेराव में ग्वालियर से कांग्रेसजनों की ऐतिहासिक संख्या में उपस्थिति रहेगी। यह बात गुरूवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कांग्रेस भवन में ब्लॉक अध्यक्षों एवं ब्लॉक प्रभारियों की महत्वपूर्ण और रणनीतिक बैठक में कही।

शहर अध्यक्ष यादव ने कहा कि विधानसभा घेराव में कांग्रेसजनों की भागीदारी के लिए 15 ग्वालियर विधानसभा में राजू भदौरिया, 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा में राकेश अग्रवाल एवं 17 ग्वालियर दक्षिण विधानसभा में विजय कुशवाह को प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने भाजपा

सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें लगातार किसान, मजदूर, युवा और गरीब विरोधी फैसले लेकर जनता की कमर तोड़ने में लगी हैं। भाजपा सरकार जनता की आवाज दबाने का काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता अन्याय के सामने झुकने वाला नहीं है। श्री यादव ने कहा कि 20 फरवरी को ब्लॉक स्तर पर शाम 4 बजे पुतला दहन कर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में संगठन महामंत्री इब्राहिम पठान, जेएच जाफरी, रामनरेश परमार, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव, राजेश खान, मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, श्रीमती रेखा जाटव, अनूप शिवहरे, विनोद कुमार जैन, अंसार खान, राजेश तोमर, श्रीमती सुनीता तोमर, भूपेन्द्र तोमर, सुग्रीव सिंह, जसवंत शेजवार, वीरेन्द्र सिंह यादव, विजय शर्मा, भानू कौशिक, बुंदू खान, रामबाबू श्रीवास, संजय शर्मा, कल्लू तोमर आदि उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने किया वार्ड 63 एवं 64 में निरीक्षण

ग्वालियर। गुरूवार सुबह अचानक निगमायुक्त संघ प्रिय भ्रमण पर निकले। निगमायुक्त ने वार्ड क्रमांक 63 एवं 64 के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता, उपायुक्त रजनीश गुप्ता, उपयंत्री अजय शर्मा, क्षेत्राधिकारी श्रीमती शिल्पा दिनकर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी विवेक त्यागी उपस्थित थे।

गुरूवार को निगम आयुक्त संघ प्रिय ने ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 63 एवं 64 में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान

निगमायुक्त ने आईएसबीटी बस स्टेण्ड के पीछे चेम्बर क्षतिग्रस्त होने से ओवरफ्लो हो रहे पानी के स्थान को देखा तथा उक्त समस्या के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके बाद ट्रांसपोर्ट नगर में चल रहे सीसी सडक निर्माण कार्य को देखा एवं ट्रांसपोर्ट नगर में जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही कटारिया ट्रांसपोर्ट के पास नाला चौक होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को नाले की सफाई के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही जगह जगह गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा उन्होंने निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों पर सफाई प्रतिदिन समय पर की जाए।

विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट: फाइनल मैच सम्पत्तिकर और जीएडी भंडार के बीच आज

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा आयोजित अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरूवार को पहला सेमीफाइनल मैच स्वास्थ्य विभाग और जीएडी भंडार के मध्य हुआ। जीएडी की टीम के बल्लेबाज भीमा गुर्जर की धमाकेदार 41 रनों की पारी से टीम ने 94 रन का विशाल स्कोर स्वास्थ्य विभाग को दिया। रोमांचक मुकाबला में स्वास्थ्य विभाग की टीम संघर्ष करते हुए हार गई और जीएडी भंडार की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच सम्पत्तिकर व विद्युत के मध्य रहा जिसमें विद्युत की पूरी टीम कुछ ही ओवर खेल कर ऑल आउट होकर मात्र 29 रन बनाये। जिसे सम्पत्तिकर की टीम ने आसानी से जीतकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। इस

मैच के मैन ऑफ द मैच वीरेन्द्र पाराशर रहे। जिन्होंने 2 ओवर में मात्र 4 रन देकर 4 विकेट लिए। फाइनल मैच सम्पत्तिकर और जीएडी भंडार के बीच आज 20 फरवरी को खेला जाएगा। टूर्नामेंट का आयोजन अधिकारी बीके त्यागी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस दौरान सहायक खेल अधिकारी जितेन्द्र यादव, नमन कौरव एवं अयोध्या शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण सत्र होगा

ग्वालियर। ग्वालियर चंबल संभाग में पदस्थ शासकीय लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण शाला में 1 अप्रैल से लेखा प्रशिक्षण सत्र शुरू होने जा रहा है। यह लेखा प्रशिक्षण सत्र चंद्रवदनी नाका के समीप स्थित न्यू राजस्व भवन में संचालित शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला में आयोजित होगा। इसके लिए लिपिक वर्गीय कर्मचारी निर्धारित प्रारूप में 15 मार्च तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र के प्रारूप लेखा प्रशिक्षण शाला से प्राप्त किए जा सकते हैं। यहीं से विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।

सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफपर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में 20 एवं 21 फरवरी को 'सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी का आयोजन सेंटर फॉर स्टडीज इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के गालव सभागार में संपन्न होगा। कार्यक्रम में सोशल मीडिया और समाज, युवाओं पर प्रभाव, नैतिक चुनौतियां, फेक न्यूज, डिजिटल जिम्मेदारी तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे समकालीन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी के संरक्षक कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य हैं, जबकि कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा कन्वीनर की भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. एस.एन. महापात्रा ने अधिक से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों से सहभागिता का आह्वान किया।

महाराज बाड़ा क्षेत्र से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने गुरूवार को सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। मदाखलत अधिकारी रवि कोरी ने बताया कि नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान के निर्देशन में दक्षिण विधानसभा अंतर्गत नजरबाग मार्केट, सुभाष मार्केट, टाउन हॉल एवं टोपी बाजार पर यातायात अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले एवं फुटपाथियों को हटाकर सामान जप्ती की कार्रवाई की है। कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव एवं दक्षिण विधानसभा अमला उपस्थित रहा।

आबकारी नीति-2026-27 को लेकर कैबिनेट ने लिए निर्णय

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। आबकारी नीति 2026-27 को लेकर कैबिनेट की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें अनेक निर्णय लिए गए। इन निर्णयों में

1. मदिरा दुकानों के नर्मदा के तट से 5 किलोमीटर की दूरी के प्रतिबन्ध एवं पवित्र नगरों में मदिरा दुकानों के प्रतिबंध को यथावत रखा गया है।
2. कोई भी नवीन मदिरा दुकान नहीं खोली जायेगी।
3. मदिरा दुकानों के अहाते यथावत बंद रहेंगे।
4. मदिरा दुकानों के नवीनीकरण का विकल्प समाप्त।
5. समस्त मदिरा दुकानों का निष्पादन ई-टेंडर के माध्यम से किया जाएगा।
6. मदिरा दुकानों के वर्तमान वर्ष के मूल्यन में 20 प्रतिशत की वृद्धि।
7. मदिरा दुकानों का निष्पावदन अधिकतम 05 मदिरा दुकानों के समूह में किया जायेगा।
8. मदिरा की ड्यूटी दरें, विनिर्माण इकाई, बार आदि की लाइसेंस फीस यथावत रखी है।
9. जालसाजी की आशंकाओं को समाप्त करने के लिए प्रतिभूति राशि के रूप में सिर्फ ई-चालान /ई-बैंक गारंटी ही मान्यप की जाएगी। साधारण बैंक गारंटी एवं सावधि जमा (FD) मान्य नहीं होगी।
10. निर्यात प्रोत्साहन एवं ईज ऑफ डूइंग बिज़नस को दृष्टिगत रखते हुए निम्नानुसार प्रावधान किये गए हैं :-

I. मदिरा के विनिर्माताओं को पूर्व वर्षों की तरह अपने उत्पाद की कीमत के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है, वो पोर्टल पर निर्धारित व्यवस्था अनुसार अपने उत्पाद की कीमत घोषित कर सकेंगे।

II. देश के वाहर मदिरा के निर्यात को प्रोत्साहन देने लिए फीस में संशोधन, लेबल पंजीयन में सरलीकरण आदि प्रावधानित किया गया है।

III. प्रदेश के आदिवासियों स्व-सहायता समूहों के द्वारा महुआ से निर्मित मदिरा को अन्य राज्यों में ड्यूटी मुक्त कराने के लिए उनके राज्यों की हेरिटेज अथवा विशेष मदिरा को प्रदेश में ड्यूटी फ्री करने के प्रावधान किया गया।

एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम से कक्षा 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र, परिणाम और अंक सूची होगी तैयार

स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण पहल, शिक्षण सत्र 2025-26 से शुरू होगी व्यवस्था

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग ने एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम (श्वस्थ) पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल के माध्यम से कक्षा 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र, परिणाम और अंक सूची तैयार की जाएगी। विभाग द्वारा यह व्यवस्था शिक्षण सत्र 2025-26 से ही शुरू की जाएगी। विभाग ने इसकी तैयारी भी पूरी कर ली है। नई व्यवस्था के शुरू होने से वार्षिक परीक्षाओं की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध हो सकेगी। साथ ही परीक्षा संबंधी कार्यों में समय की बचत के साथ प्रशासनिक दक्षता भी बढ़ेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विकसित श्वस्थ पोर्टल के माध्यम से सभी विद्यार्थियों के लिए यूनिक रोल नंबर जनरेट किए जाएंगे, जिसके आधार पर परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। वार्षिक परीक्षा परिणाम भी पोर्टल पर ही तैयार किए जाएंगे तथा विद्यार्थियों की अंकसूचियां सीधे प्रिंट की जा सकेंगी। साथ ही परीक्षा संबंधी कार्यों में समय की बचत के साथ प्रशासनिक दक्षता भी बढ़ेगी।

इस प्रक्रिया के माध्यम से राज्य, संभाग एवं जिला स्तर पर परीक्षा परिणामों का त्वरित विश्लेषण किया जा सकेगा। साथ ही पोर्टल के माध्यम से द्वितीय परीक्षा की कार्यवाही भी की जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल परीक्षा प्रणाली के डिजिटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इससे विद्यार्थियों एवं विद्यालयों दोनों को सुविधा मिलेगी।

52वाँ अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह शुक्रवार से, 7 दिन शास्त्रीय शैलियों के नृत्य एवं संवाद का होगा समागम

भोपाल। विश्वविख्यात मंदिर की पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला 52वां अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह इस वर्ष भी भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध शैलियों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। इस 7 दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। समारोह में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम जैसी प्रमुख शास्त्रीय शैलियों की प्रस्तुति दी जाएगी। प्राचीन मंदिरों की भव्यता और प्रकाश सज्जा के बीच कलाकारों की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करेगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक और कलारसिक शामिल होंगे। यह समारोह न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, बल्कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की वैश्विक पहचान को भी सशक्त करता है।संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर एवं जिला प्रशासन - छतरपुर के सहयोग से '52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह' 20 से 26 फरवरी, 2026 तक मंदिर परिसर, खजुराहो में आयोजित किया जा रहा है। इस 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आयोजन में देश के सुप्रतिष्ठित एवं उदीयमान नर्तक - नृत्यांगनाएं अपनी साधनारत प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध परम्पराओं को मंच पर साकार करेंगी। साथ ही इस समारोह को सांस्कृतिक समागम बनाने की दृष्टि से विविध कला विधाओं से सम्बंधित गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है, ताकि यह समारोह भव्य और स्मरणीय बन सके।

'नटराज' थीम : नृत्य, लय और सृजन का प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन अनुसार इस वर्ष खजुराहो नृत्य समारोह को शास्त्रीय नृत्य की प्रेरणा और आधार 'नटराज' की थीम पर केंद्रित किया गया है। यह थीम भारतीय दर्शन, सृजन और लयबद्ध जीवन दृष्टि का प्रतीक है, जो समारोह को एक गहन आध्यात्मिक आयाम प्रदान करेगा। पद्म पुरस्कार प्राप्त, संगीत नाटक अकादमी सम्मानित एवं राष्ट्रीय - राज्य स्तरीय अलंकरणों से विभूषित कलाकारों के साथ उदीयमान प्रतिभाओं को समान मंच प्रदान किया जा रहा है, जिससे नृत्य की गुरु - शिष्य परम्परा और निरंतर एवं सुदृढ़ हो सके। समारोह में आनुषंगिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इसमें खजुराहो कार्निवाल, 'नटराज' प्रदर्शनी में 50 नृत्यरूपों का प्रदर्शन, लयशाला : नृत्य शैलियों के श्रेष्ठ गुरुओं एवं शिष्यों का संगम, कलावार्ता : कलाविदों एवं कलाकारों के मध्य संवाद, आर्ट - मार्ट : चित्रकला प्रदर्शनी, सृजन : पारम्परिक शिल्प निर्माण तकनीक का प्रदर्शन, हुनर : पारम्परिक शिल्पों का प्रदर्शन सह विक्रय और स्वाद : देशज व्यंजन प्रमुख आकर्ष होंगे।

कथक की 6, भरतनाट्यम की 4, ओडिसी की 5, मणिपुरी की 2, कथकली की 1, कुचिपुड़ी की 2, मोहिनीअट्टम की 1, सत्रिया की 1 एवं छाऊ नृत्य की 1 प्रस्तुतियाँ होगी।

52वें खजुराहो नृत्य समारोह में प्रथम बार सांस्कृतिक रैली में विभिन्न विधाओं एवं परंपराओं के नृत्य कलाकार खजुराहो के विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। महोत्सव में देश के 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के युवा शास्त्रीय नृत्य कलाकारों को सहभागिता के लिए एक राष्ट्रीय मंच 'राष्ट्रीय बाल नृत्य महोत्सव - 2026' प्रदान किया जा रहा है। प्रस्तुति देने के लिए वरिष्ठ कला गुरुओं द्वारा 31 नृत्य कलाकारों का चयन किया गया है।

पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों के लिए खजुराहो नृत्य समारोह के दौरान खजुराहो पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक एवं लोकप्रिय स्थल है। खजुराहो नृत्य समारोह के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। विगत वर्षों में भी पर्यटन गतिविधियों ने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस वर्ष विशेष रूप से घुमन्तू समुदायों के साथ गाँवों की सैर, एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम (कैम्पिंग गतिविधि), नेचर वॉक, खजुराहो विलेज टूर, ई - बाइक टूर, वॉटर स्पोर्ट्स, हॉट एयर बैलून एवं फेम टूर जैसी रोमांचकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

निगम परिषद की बैठक आज

ग्वालियर। नगर निगम परिषद का विशेष अभियाचित सम्मेलन का आयोजन सोमवार 20 फरवरी को दोपहर 3 बजे से सभापति मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में जल विहार परिषद सभागार में आयोजित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता सेनानी श्री गोखले को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री गोखले ने शिक्षा और कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भरता को विकास के लिए आवश्यक बताया और युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए सदैव प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी श्री गोखले के ओजस्वी विचार हमेशा देशवासियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर में संध्या और शयन आरती की बुकिंग पूरी तरह हुई ऑनलाइन

भोपाल। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में दर्शन व्यवस्था को और अधिक सुगम, पारदर्शी और बेहतर बनाने के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उज्जैन में डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का विस्तार करते हुए, समिति ने बाबा महाकाल की 'संध्या आरती' और 'शयन आरती' की बुकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। अब देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु घर बैठे ही आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आरती में शामिल होने के लिये अपना स्थान सुनिश्चित कर सकेंगे। श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर मंदिर की अधिकृत वेबसाइट https□//www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in/ के माध्यम से ही बुकिंग कर सकते हैं।

संध्या आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रतिदिन दोपहर 12:00 बजे से शुरू होगी और शयन आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से की जा सकेगी। दोनों ही आरतियों के लिए प्रति श्रद्धालु 250 रूपये का शुल्क (शीघ्र दर्शन के समान) निर्धारित किया गया है। बुकिंग की यह प्रक्रिया पूर्णतः 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर संचालित होगी।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित, आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।